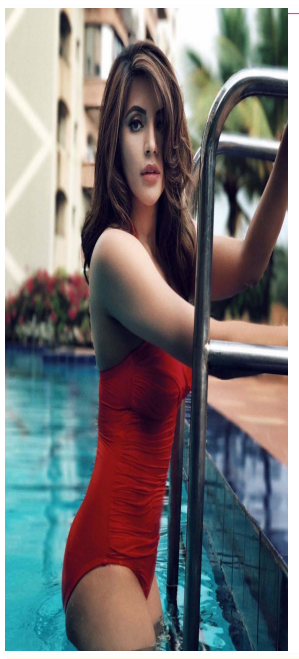

RNINo.UPHIN/2016/70293

हिन्दी दैनिक समाचार-पत्र

अमित रेखा

वर्ष 05 | अंक 182 | कुशीनगर | सोमवार 03 मई, 2021 | पृष्ठ 8 | मूल्य 1 रुपये

बंगाल में दीदीगीरी बरकरार

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। पश्चिम बंगाल करीब 34 साल तक वामपंथ का गढ़ रहा। कांग्रेस से सियासी सफर शुरू करने के बाद ममता बनर्जी एनडीए में भी रहीं और आगे चलकर अपनी अलग पार्टी तृणमूल कांग्रेस बनाई। इसके बाद फिर पीछे मुड़कर नहीं देखा। बंगाल चुनाव–2021 के मौजूदा रुझान यदि नतीजों में तब्दील हो गए तो राज्य में तीसरी बार उनके नेतृत्व में तृणमूल की सरकार बनना तय है। बचपन में उठा पिता का साया मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का जन्म 5 जनवरी 1955 को कोलकाता में हुआ था। ममता बनर्जी के जन्म के कुछ साल बाद ही उनके पिता प्रोमिलेश्वर बनर्जी का निधन हो गया था। पिता की मौत के बाद ममता बनर्जी की मां गायत्री बनर्जी पर पांच बच्चों के पालन–पोषण की जिम्मेदारी आ गई। घर में हमेशा आर्थिक तंगी रहती थी। ममता अपनी मां के जिम्मेदारियों में हाथ बंटाना बचपन से ही शुरू कर दिया था। ममता बनर्जी की परवरिश उनके छह भाईयों और बहनों के साथ हुई थी। राजनीति में शुरू से रुचि, इतिहास व कानून की पढ़ाई की ममता बनर्जी बचपन से ही राजनीति व पढ़ाई दोनों में रुचि रखती थीं। उन्होंने कोलकाता के जोगमाया देवी कॉलेज से इतिहास में ऑनर्स की डिग्री हासिल की। इसके बाद कोलकाता विश्वविद्यालय

से उन्होंने इस्लामिक इतिहास में मास्टर डिग्री हासिल की। इसके अलावा ममता बनर्जी ने बीएड की भी डिग्री ली और कोलकाता के जोगेश चौधरी लॉ कॉलेज से कानून की पढ़ाई की। सूती साड़ी और हवाई चप्पल है पसंदीदा पहनावा अधिकतर राजनेता अपने स्टाइलिश पहनावे को भी लेकर चर्चा में रहते हैं। खासतौर पर महिला राजनेता अपनी साड़ियों की पसंद को लेकर चर्चा में रहती हैं। कोई कॉटन साड़ी पहनना पसंद करती हैं तो कोई साड़ी पर सदरी पहनन पसंद करती हैं। मगर ममता बनर्जी का लाइफस्टाइल सबसे अलग है। वह हमेशा सूती सफेद साड़ी पहनती हैं। चाहे घर में हों या संसद भवन में, रैली हो या किसी सांस्कृतिक कार्यक्रम में ममता बनर्जी हमेशा साधारण रंग की साड़ी पहनना पसंद करती हैं। कभी–कभी उनकी साड़ी में नीले या किसी हल्के रंग का बॉर्डर जरूर देखने को मिल जाता है। ममता बनर्जी पैरों में रबर की हवाई चप्पल पहनती हैं। चित्रकार और कवि भी हैं ममता, अटलजी घर गए तो दंग रह गए मुख्यमंत्री ममता बनर्जी चित्रकार और कवि भी हैं। ममता बनर्जी को क्रिकेट काफी पसंद है। मुख्यमंत्री बनने के बाद भी ममता बनर्जी अपने पुराने घर में ही रहती हैं। जहां उनका जन्म हुआ था। जुलाई 2000 में तत्कालीन पीएम अटल बिहारी वाजपेयी ममता बनर्जी के कालीघाट इलाके की हरीश चटर्जी स्ट्रीट की संकरी गलियों में स्थित ममता बनर्जी के घर गए थे। अटलजी ने बनर्जी की मां गायत्री देवी के पैर छूकर आशीर्वाद लिया था। वाजपेयी उनका घर देखकर दंग रह गए। कॉलेज के दिनों में ही कांग्रेस से जुड़ गईं कॉलेज के दिनों में ही ममता बनर्जी ने कांग्रेस की सदस्यता प्राप्त कर राजनीति में प्रवेश कर लिया था।

पश्चिम बंगाल — 292/292 सीटे

पार्टी	आगे	जीते
NDA/BJP+	50	30
TMC	97	113
CONG+	1	0
Other	0	1

असम — 126/126 सीटे

पार्टी	आगे	जीते
NDA/BJP+	35	39
CONG+	36	15
Other	1	0

केरल — 140/140 सीटे

पार्टी	आगे	जीते
LDF	24	75
UDF	14	27
NDA	0	0
Other	0	0

पुडुचेरी — 20/30 सीटे

पार्टी	आगे	जीते
NDA	1	10
UPA	3	3
Other	2	1

तमिलनाडु — 234/234 सीटे

पार्टी	आगे	जीते
AIADMK	66	16
DMK	101	50
MNM	1	0
Other	0	0

कोरोना संकट के बीच लगाए गए कर्फ्यू के चलते जम्मू संभाग के विकसित पर्यटन स्थल पटनीटॉप में लगातार पर्यटन उद्योग को काफी नुकसान हुआ है। सैलानियों के न आने से कारोबार ठप हो गया है। दो सप्ताह से पर्यटन स्थल में सन्नाटा पसरा हुआ है। गौरतलब है कि पिछले वर्ष भी मार्च माह में पटनीटॉप में होटल व्यवसाय काफी प्रभावित हुआ था।

पश्चिम बंगाल की जनता ने भाजपा को दिया मुंहतोड़ जवाब: अखिलेश यादव

लखनऊ,(एजेंसी)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव की मतगणना के रुझानों में रविवार को सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) को विशाल बढ़त मिलने के बाद समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भाजपा पर तंज किया है। अखिलेश ने एक ट्वीट कर कहा, पश्चिम बंगाल में भाजपा की नफरत की राजनीति को हराने वाली जागरुक जनता, जुझारू सुश्री ममता बनर्जी व टीएमसी के समर्पित नेताओं व कार्यकर्ताओं को हार्दिक बधाई। उन्होंने इसी ट्वीट में कहा ये भाजपाइयों के एक महिला पर

किए गए अपमानजनक कटाक्ष 'दीदी ओ दीदी' का जनता द्वारा दिया गया मुंहतोड़ जवाब है। यादव ने हैशटैग 'दीदी जिओ दीदी' का भी इस्तेमाल किया। गौरतलब है कि पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में टीएमसी को कड़ी टक्कर देने का मंसूबा लिए भाजपा ने खासा आक्रामक चुनाव प्रचार किया था, मगर मतगणना के रुझानों में वह टीएमसी से काफी पीछे है।

लोगों का हमें आशीर्वाद रहा, भाजपा असम में फिर सरकार बनाएगी: सोनोवाल

गुवाहाटी,(एजेंसी)। असम विधानसभा चुनाव के शुरुआती रुझानों में भाजपा को बढ़त मिलने से गदगद मुख्यमंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने रविवार को विश्वास जताया कि भाजपा नीत गठबंधन राज्य में फिर से सरकार बनाएगा। निर्वाचन आयोग की

वेबसाइट पर अपराह्न 12.15 बजे तक के रुझानों के मुताबिक, भाजपा नीत राजग कांग्रेस की अगुवाई वाले महागठबंधन से आगे चल रहा है। अबतब आए 119 सीटों के रुझानों में राजग को 77 सीटों पर बढ़त मिली हुई है। सोनोवाल ने पत्रकारों से कहा, " लोगों ने हमें आशीर्वाद दिया है। हम पक्के तौर पर कह सकते हैं कि भाजपा असम में सरकार बनाएगी। हम अपने साझेदार अगप और यूपीपीएल के साथ सत्ता में वापस आ रहे हैं।" चुनाव से पहले भाजपा ने दावा किया था कि उसका गठबंधन 100 सीटें जीतेगा। इस बारे में पूछने पर मुख्यमंत्री ने कहा, "रुझान पूरी तरह से भाजपा के पक्ष में हैं। पार्टी अपना लक्ष्य हासिल करेगी। बहरहाल, हमें अंतिम परिणाम के लिए इंतजार करना होगा।" सोनोवाल माजुली विधानसभा क्षेत्र से अच्छी बढ़त बनाए हुए हैं।

बंगाल में बीजेपी के पिछड़ते ही शिवसेना का तंज

केंद्र सरकार पर भी दिखेगा असर

नई दिल्ली,(एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में मतों की गिनती जारी है। भारतीय जनता पार्टी (ठश्रच) को पिछड़ता देख, शिवसेना ने भगवा पार्टी पर तंज कसा है। पार्टी ने कहा है कि महाराष्ट्र में राजनीतिक उथल–पुथल की भविष्यवाणी करने वालों को यह भी चिंता करनी चाहिए कि कोरोना महामारी को नहीं संभाल पाने वाली केंद्र सरकार क्या स्थिर रह पाएगी। शिवसेना सांसद संजय राउत ने अपनी पार्टी के मुखपत्र सामना के साप्ताहिक कॉलम में कहा, ष्जो दावा कर रहे हैं कि 2 मई को चुनाव के बाद महाराष्ट्र में राजनीतिक बदलाव होगा, उन्हें यह भी याद रखना चाहिए कि दिल्ली में भी झटके महसूस किए जाएंगे। संजय राउत, जो मुखपत्र के कार्यकारी संपादक भी हैं, ने कहा कि पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी की जीत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की व्यक्तिगत हार होगी, जिन्होंने राज्य में चुनाव

प्रचार का नेतृत्व किया। उन्होंने लिखा, "यह दावा करने वाले कि महाराष्ट्र सरकार का भविष्य पश्चिम बंगाल के परिणामों पर निर्भर है, गलतफहमी में जी रहे हैं। मुझे आश्चर्य है कि कुछ लोग किस आधार पर कह रहे हैं कि अमित शाह अब महाराष्ट्र सरकार को खत्म करने पर ध्यान केंद्रित करेंगे। वे या तो सत्ताधारी पार्टी के विधायकों को उनकी धन शक्ति के आधार पर लुभाएंगे या वायरस से निपटने में हमारी विफलता का हवाला देते हुए राष्ट्रपति शासन लगाएंगे।" उन्होंने कहा, "अगर कोरोना कारण है, तो हमें इस तथ्य को स्वीकार करना होगा कि केंद्र सरकार को पद पर बने रहने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है। ऐसे समय में जब दवाओं और ऑक्सीजन की कमी है और 5,000 से अधिक लोग मर रहे हैं, वे ऐसे राजनीतिक नाटक में शामिल होने के बारे में कैसे सोच सकते हैं? एक राज्य (पश्चिम बंगाल) को जीतने के लिए, इन लोगों ने पूरे देश को जोखिम में डाल दिया है, और इसे सर्वोच्च न्यायालय ने स्वीकार किया है। मद्रास उच्च न्यायालय ने इस स्थिति के लिए चुनाव आयोग को दोषी ठहराया है।" शिवसेना के आरोप पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। आपको बता दें कि अभी तक के रुझान में तृणमूल कांग्रेस 200 से अधिक सीटों पर जीत दर्त करती हुई दिख रही है। बीजेपी के खाते में फिलहाल 84 से 85 सीटें जाती हुई दिख रही हैं। बंगाल में सबसे अधिक दुर्गति कांग्रेस और लेफ्ट गठबंधन की हुई है।

महाराष्ट्र में गैस रिसाव के कारण आग लगने से पांच लोग झुलसे

ठाणे,(एजेंसी)। महाराष्ट्र के ठाणे जिले में एक घर में द्रवित पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) सिलेंडर से गैस रिसाव के कारण आग लग जाने से एक परिवार के चार सदस्य और एक मेकैनिक झुलस गए। ठाणे नगर निगम के क्षेत्रीय आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ के प्रमुख संतोष कदम ने बताया कि यह आग यहां बदलापुर की

एक इमारत की सातवीं मंजिल पर स्थित एक फ्लैट में शनिवार रात करीब साढ़े नौ बजे लगी। उन्होंने बताया कि परिवार के सदस्यों ने देखा कि एलपीजी सिलेंडर की पाइप के ऊपरी हिस्से से गैस रिसाव हो रहा है, जिसके बाद उन्होंने इसे ठीक करने के लिए एक मेकैनिक को बुलाया। अधिकारी ने बताया कि जब मेकैनिक इसे ठीक कर रहा था, तभी गैस रिसाव के कारण आग लग गई और विस्फोट हो गया। उन्होंने बताया कि दमकल कर्मी घटनास्थल पहुंचे और उन्होंने एक घंटे में आग को काबू कर लिया। उन्होंने कहा, ''दंपत्ति, उनके दो बच्चे और मेकैनिक झुलस गए हैं। उन्हें एक स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ा 'यूपी कोविड केयर फंड': कांग्रेस

लखनऊ,(एजेंसी)। कांग्रेस ने रविवार को कोविड–19 महामारी के लिए उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार द्वारा बनाए गए 'कोविड केयर फंड' को भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ाये जाने का आरोप लगाते हुए इस पर श्वेत पत्र जारी करने की मांग की। उत्तर प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू ने यहां एक बयान में कहा कि अप्रैल 2020 में सरकार ने 'कोविड केयर फंड' बनाया था जिसमें प्रदेश के आम आदमी का धन, विधायकों की क्षेत्र विकास निधि, सरकारी अधिकारियों एवं कर्मचारियों और प्रदेश के व्यापारी वर्ग से मोटी रकम 'जबरदस्ती' जमा करायी गयी। उन्होंने कहा कि विधायक निधि को एक साल के लिये निलंबित कर 2020–21 की विधायक निधि का धन, मंत्रियों और विधायकों के वेतन में से 30 प्रतिशत वेतन की कटौती का धन आदि 'कोविड केयर फंड' में जमा कराया गया और बताया गया कि इसका उपयोग महामारी से लड़ने में किया जाएगा। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने आरोप लगाया, महामारी से लड़ने के लिये बनाये गये इस फंड का कोरोना की दूसरी लहर के समय में कुछ पता नहीं है। इस फंड का पैसा इस मुश्किल समय में कहां खर्च किया जा रहा है? प्रदेश में लोग ऑक्सीजन, दवा और स्वास्थ्य की बुनियादी सुविधाओं के अभाव में दम में तोड़ रहे हैं। ऐसे में 'यूपी कोविड केयर फंड' का धन कहां खर्च हो रहा है कुछ पता नहीं। लल्लू ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि 'यूपी कोविड केयर फंड' भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गया है तथा कांग्रेस की मांग है कि सरकार इस कोष को लेकर श्वेत पत्र जारी करे। लल्लू ने आरोप लगाया कि जिस पैसे का उपयोग लोगों की चिकित्सा के लिए किया जाना था, उसकी बंदरबांट हुई और उसका नतीजा यह है कि जब कोविड–19 महामारी की दूसरी लहर चली तो 'सरकार ने प्रदेश के लोगों को उनके हाल पर मरने को छोड़ दिया है।' उन्होंने कहा कि आज प्रदेश का प्रत्येक नागरिक आदित्यनाथ सरकार की लापरवाही और संवेदनहीन रवैये की वजह से कोरोना वायरस महामारी से 'निजी तौर पर अपनी क्षमता से लड़ रहा है।'

उड़ीसा में 5 से 19 मई तक से राज्य सरकार ने लगाया संपूर्ण लॉकडाउन

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। उड़ीसा सरकार ने कोरोना वायरस के बढ़चे केस को कंट्रोल करने के लिए 5 मई से 19 मई तक संपूर्ण लॉकडाउन लगाया है। पटनायक सरकार ने ये फैसला लिया और लगातार कोरोना के बढ़ते मामलों पर लगाम लगाने का प्रयास किया है। उड़ीसा सरकार ने कोरोना वायरस के बढ़चे केस को कंट्रोल करने के लिए 5 मई से 19 मई तक संपूर्ण लॉकडाउन लगाया है। पटनायक सरकार ने ये फैसला लिया और लगातार कोरोना के बढ़ते मामलों पर लगाम लगाने का प्रयास किया है। ओडिशा सरकार ने 5 मई से 19 मई तक सुबह 7 से 12 बजे के बीच तालाबंदी की घोषणा की है। लोग आवश्यक काम के लिए अपने घरों से 500 मीटर की दूरी पर चल सकते हैं। स्वास्थ्यकर्मियों या अन्य आपातकालीन सेवाओं से जुड़े लोगों पर कोई प्रतिबंध नहीं लगाया गया है। ओडिशा के सीएम नवीन पटनायक ने राज्य में पत्रकारों को कोविड योद्धा घोषित किया है।

हिन्दी दैनिक

अमिट रेखा

2

कुशीनगर सोमवार, 03 मई 2021

कोरोना ने मृदुल व मिलन सार अधिकारी की सांसे छीनी

हमीरपुर। जिले में कोरोना संक्रमितो की संख्या दिन–प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। अभी तक हमीरपुर जिले में चार हजार के आसपास कोरोना संक्रमित मरीजों का आंकड़ा पहुंच चुका है! जिसमें एक मई को 240 धनात्मक रोगी, 132 डिस्चार्ज मरीज, 2531 मरीजों के सैंपल लिए गए थे! जिसमें एक मई को हमीरपुर जिले में 3 और अभी तक में 52 मौतों का आंकड़ा पहुंच चुका है! अभी तक हमीरपुर जिले में 1411 मरीज एक्टिव हैं! हमीरपुर मुख्यालय में परिवहन विभाग के सहायक संभागीय परिवहन (प्रशासन) अधिकारी मोहम्मद हसीब की कोरोना संक्रमण ने शनिवार की रात्रि को उन्होंने प्राण त्याग दिए। इस दुखद घटना की सूचना जिले में आग की तरह फैली और प्रशासनिक अधिकारियों व कर्मचारियों के अलावा सामाजिक संगठनों प्रबुद्ध लोगों घ्समाजसेवियो राजनैतिक दलों में शोक की लहर दौड़ गई और समूचा जनपद में शोकाकुल माहौल हो गया। वहीं इन्होंने उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित कर उनकी आत्मा को शांति व शोकाकुल परिवार को धैर्य और संयम बनाए रखने के लिए अल्लाह से दुआ मांगी। बताते चलें कि चुनाव ड्यूटी के दौरान एआरटीओ मोहम्मद हसीब कोरोना संक्रमित हो गए थे जिनको इलाज के लिए कुरारा के एल वन अस्पताल में भर्ती करवाया गया था जहां उनकी हालत नाजुक होते देख जिला अधिकारी डॉक्टर ज्ञानेश्वर त्रिपाठी ने अच्छे उपचार के लिए कानपुर भिजवाया था! कानपुर के चांदनी हॉस्पिटल में भर्ती एआरटीओ मोहम्मद हसीब की शनिवार रात्रि को अचानक ज्यादा हालत खराब हो गईं और सांस लेने में दिक्कत होने लगी मोहम्मद हसीब के लंग्स खराब हो गए थे जिसके चलते कोरोना ने इनके प्राण छीन लिए!मोहम्मद हसीब उम्र 38वर्ष जिला बहराइच के रहने वाले तथा दो बेटियों जिसमे एक साल उमैमा और दूसरी चार साल की आलिया के पिता तथा शिफा के पति थे। वे हमीरपुर जिले के ऐसे अधिकारी थे जिनको भेदभाव या ऊंच–नीच से कोई मतलब नहीं था।सभी का कार्य व सभी का सम्मान करते थे! इनकी मौत की खबर सुनते परिवार जन में शोक की लहर दौड़ गई परिजनों का रो रो कर बुरा हाल हो रहा है! इनकी अचानक मौत की खबर से हमीरपुर जिले के वासियों को अत्यंत दुख हुआ कई लोगों ने तो 2 मिनट का मौन रखकर शोक व्यक्त किया! मुख्यालय वासी इनकी मौत की खबर सुनते ही सोच में पड़ गए कि जो अधिकारी इतनी सेफ्टी से रहते रहे आज उनको ईश्वर ने अपने श्री चरणों पर जगह दी। मुख्यालय वासियों ने ऊपर वाले से इनकी आत्मा की शांति व उनके परिजनों को इस दुखद घड़ी में धर्य और साहस दिलाने के लिए ईश्वर से प्रार्थना की! वहीं इन्होंने उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित कर उनकी आत्मा को शांति व शोकाकुल परिवार को धैर्य और संयम बनाए रखने के लिए अल्लाह से दुआ मांगी। बताते चलें कि चुनाव ड्यूटी के दौरान एआरटीओ मोहम्मद हसीब कोरोना संक्रमित हो गए थे जिनको इलाज के लिए कुरारा के एल वन अस्पताल में भर्ती करवाया गया था जहां उनकी हालत नाजुक होते देख जिला अधिकारी डॉक्टर ज्ञानेश्वर त्रिपाठी ने अच्छे उपचार के लिए कानपुर भिजवाया था! कानपुर के चांदनी हॉस्पिटल

में भर्ती एआरटीओ मोहम्मद हसीब की शनिवार रात्रि को अचानक ज्यादा हालत खराब हो गईं और सांस लेने में दिक्कत होने लगी मोहम्मद हसीब के लंग्स खराब हो गए थे जिसके चलते कोरोना ने इनके प्राण छीन लिए!मोहम्मद हसीब उम्र 38वर्ष जिला बहराइच के रहने वाले तथा दो बेटियों जिसमे एक साल उमैमा और दूसरी चार साल की आलिया के पिता तथा शिफा के पति थे। वे हमीरपुर जिले के ऐसे अधिकारी थे जिनको भेदभाव या ऊंच–नीच से कोई मतलब नहीं था।सभी का कार्य व सभी का सम्मान करते थे! इनकी मौत की खबर सुनते परिवार जन में शोक की लहर दौड़ गई परिजनों का रो रो कर बुरा हाल हो रहा है!

दो नाबालिग किशोरियों को दबंग ने हबस का शिकार बनाया

हमीरपुर। मुस्करा कोतवाली क्षेत्र के ग्राम खडेही लोधन में दो नाबालिग किशोरियों को दबंग युवकों ने अपनी हबस का शिकार बनाये जाने का मामला प्रकाश में आया है। जानकारी के अनुसार मुस्करा कोतवाली क्षेत्र के ग्राम खडेही लोधन में दो नाबालिग किशोरियां गांव के बाहरशौच करने जा रही थी तभी गांव के दबंग हबसी युवको ने इन्हें दबोच कर डरा धमकाकर जबरन दुष्कर्म कर उसे अचेतन अवस्था में वे उसे छोड़कर भाग जाने में सफल रहा। जब इन्हें होश आया तो वे अपने घर वापस पहुंची। जहां उसने परिवार वालों को आप बीती घटना के बारे में जानकारी दी। इसके बाद परिवार वालों उसे मुस्करा कोतवाली पहुंचे जहां उन्होंने पुलिस को इस मामले की तहरीर दी। पुलिस ने इस मामले की जांच शुरू कर दी है। समाचार लिखे जाने तक इस मामले के एक भी आरोपित युवक को पुलिस ने गिरफ्तार नहीं किया। वहीं इस मामले के आरोपी के परिवार वाले पीड़िता के परिवार वालों पर राजीनामा करने पर दबाव बनाने का प्रयास करने की चर्चा जोरों से गर्म है। पुलिस इस मामले के आरोपी के खिलाफ कार्रवाई क्या करेगी।को लेकर भी सवाल खड़े हो रहे हैं।

नेत्र रोगी मोबाइल नंबर में संपर्क करें–डा. सुरेश कुमार

हमीरपुर। जिला नेत्र चिकित्सालय के चिकित्सक डॉ ०सुरेश कुमार ने जारी अपील में कहा कि कोरोना जैसी महामारी के कारण जिला अस्पताल हमीरपुर में नेत्र विभाग बन्द चल रहा है ।यदि किसी नेत्र रोगी की आखों में कोई भी परेशानी हो तो हमारे न 7084989593 पर सम्पर्क कर सकता है । उन्होंने कहा कि हम उसको इलाज बता देंगे और सभी से अपील है कि जब बहुत जरुरी काम हो तभी घर से निकले भीड़ वाली जगह न जाये बाहर निकले तो मास्क जरुर लगाये और बार बार हाथ दुलते रहे और बाहर जाए तो सेनेटाइजर से हाथ साफ करते रहे।

सड़क हादसे में घायल बिजली मिस्त्री की मौत

बांदा, (यूएनएस)। सड़क दुर्घटना में घायल बिजली मिस्त्री की इलाज के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया है। जसपुरा थाना क्षेत्र के पुराना थाना निवासी जानकी प्रसाद का बेटा छोटे साहू (40) 13 अप्रैल को बाइकों की भिड़ंत में गंभीर रूप से घायल हो गया था। उसे जिला अस्पताल से कानपुर ले जाया गया था। तीन दिन पूर्व परिजन उसे घर ले आए। यहां शनिवार की रात उसने दम तोड़ दिया। मृतक के बड़े भाई शिवपूजन ने बताया कि कानपुर स्थित निजी अस्पताल में छोटे के इलाज पर 14 दिन में ढाई लाख रुपये खर्च हो गए, लेकिन सेहत नहीं सुधरी। रुपये खत्म होने उसे घर ले आए थे। मृतक अपने पीछे पत्नी सुमन देवी और एक पुत्र व एक पुत्री छोड़ गया है। पांच साल पूर्व सबसे छोटे भाई चुन्नू की भी बीमारी से मृत्यु हो चुकी।

दूसरे दिन भी घरों में लॉक रहे लोग

बांदा, (यूएनएस)। कोरोना कर्फ्यू के दूसरे दिन रविवार को ज्यादातर लोग घरों के अंदर लॉक रहे। यहां आवश्यक सेवाओं को छोड़कर सब कुछ बंद रहा। प्रमुख धार्मिक स्थलों के मुख्य गेट बंद रहे तो चौराहों पर सन्नाटा दिखा। हालांकि, पुलिस की गश्त न के बराबर रही। कोरोना के बढ़ते संक्रमण के मद्देनजर लोग खुद ही घरों के अंदर रहना ज्यादा मुनासिब समझा। रोडवेज बस अड्डे और रेलवे स्टेशनों पर भी सन्नाटा छाया रहा। जनपद में 83 घंटे का कोरोना कर्फ्यू शुक्रवार रात 8 बजे से शुरू है। रविवार को सुबह से ही लोग घरों के अंदर रहे। सब्जी इत्यादि की खरीदारी के लिए लोग निकले। ज्यादातर लोग मास्क आदि पहने रहे। दोपहर होते–होते शहर के प्रमुख चौराहों महेश्वरी देवी चौराहा, बाबूलाल चौराहा, स्टेशन रोड, रोडवेज, अशोक लाट चौराहा, जिला परिषद चौराहा, छावनी रोड इत्यादि में सन्नाटा पसरा रहा। प्रमुख धार्मिक स्थलों महेश्वरी देवी मंदिर, काली देवी मंदिर, संकट मोचन मंदिर, ऐतिहासिक नवाबी जामा मसजिद के मुख्य गेट बंद रहे। रमजान के मुबारक महीने में रोजेदारों ने अपने घरों के अंदर ही रोजा और नमाज का एहतेमाम किया। मस्जिदें सूनी रहीं। उधर, जनपद के सभी मेडिकल स्टोर, दवाखाने, क्लीनिक आदि खुलीं रहीं। सड़कों में इक्का–दुक्का लोग निकलते रहे।

बांदा–चित्रकूट में 517 ने जीती कोरोना से जंग

बांदा, (यूएनएस)। चित्रकूटधाम मंडल के बांदा और चित्रकूट जिले से रविवार को राहत देने वाली खबर भी आई। दोनों जिलों में 517 संक्रमितों ने कोरोना से जंग जीतकर अपने–अपने घरों को चले गए। वहीं, बांदा के राजकीय मेडिकल कॉलेज में चौबीस घंटे में छह कोरोना संक्रमितों की जहां मौत हो गई, वहीं चित्रकूट में भी तीन लोगों की जान चली गई। उधर, दोनों जिलों में शनिवार को 401 नए संक्रमित मिले। बांदा राजकीय मेडिकल कालेज में पिछले 24 घंटे में छह संक्रमितों की मौत के साथ संख्या अब 113 पहुंच गई है। करीब एक सप्ताह में पहली बार नए संक्रमित दो सैकड़ा से कम मिले। रविवार को डाक्टर समेत 175 नए कोरोना पॉजिटिव मरीज पाए गए। इनमें 63 महिलाएं हैं। अब सक्रिय संक्रमितों की संख्या लगभग 2000 पहुंच गई।

कोविड जांच कराने आये लोगों को पुलिस प्रसाशन मुर्दाबाद के नारे लगाना महंगा पड़ा

हमीरपुर। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव की मतगणना को लेकर प्रत्याशी व एजेंटों ने जैसे ही ही पुलिस प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की तभी पुलिस बल ने इन पर हवा में लाठियां भांजकर दो लोगों को हिरासत में ले लिया। बताते चलें कि राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार जिला प्रशासन ने प्रत्याशी व एजेंटों का कोविड टेस्ट होना अनिवार्य कर दिया है जिसके बाद अस्पताल में कोरोना जांच के लिए सोसल डिस्टेंस की धज्जियाँ उड़ाते हुए लोगों की खासी भीड़ जमा होना शुरू हो गई जिससे अस्पताल प्रशासन ने भी हाथ खड़े कर दिए। बताया जाता है कि मौदहा कस्बे के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में कल लोगों की भीड़ जमा होने शुरू हो गई थी जिसे नियंत्रित करने के लिए पुलिस बल भी तैनात किया गया था जिसके लिए खासी मशक्कत करनी पड़ी। वही जिला पंचायत सदस्य पद के लिए सपा समर्थित सिसोलर सीट से चुनाव लड़ रही महिला प्रत्याशी राजकुमारी के पुत्र विवेक पाल व उसके पति राजू पाल पुलिस से बहस करने लगे और पुलिस प्रशासन मुर्दाबाद के नारे लगाने लगे जिसके बाद अस्पताल प्रसाशन ने हाथ खड़े कर दिए जिसकी सूचना पर मौके पर दल बल के साथ पहुंचे कोतवाली प्रभारी तारा सिंह पटेल ने हल्का बल प्रयोग करते हुए उक्त दोनों लोगों को गिरफ्तार कर थाने ले आई और हुजूम लगाए लोगों को कोविड गाइडलाइन का पाठ पढ़ाते हुए कोविड जांच के लिए सोसल डिस्टेंसिंग के साथ लंबी लाइनें बनवा कर खड़ा किया गया तब जाकर फिर से कोविड की जांच शुरू हो सकी। जहां एक ओर जिले में कोरोना पॉजिटिव मरीजो की संख्या लगातार बढ़ रही है और लोगों की मौतें हो रही है तो वहीं दूसरी तरफ पंचायत चुनाव के नशे में मदहोश यह लोग आम जनता को कोरोना बाँटने में पीछे नही है। बताते चलें कि राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार जिला प्रशासन ने प्रत्याशी व एजेंटों का कोविड टेस्ट होना अनिवार्य कर दिया है जिसके बाद अस्पताल में कोरोना जांच के लिए सोसल डिस्टेंस की धज्जियाँ उड़ाते हुए लोगों की खासी भीड़ जमा होना शुरू हो गई जिससे अस्पताल प्रशासन ने भी हाथ खड़े कर दिए।

डग्गामार वाहन कोविड नियमों को ताक मे रख कर भर रहे फर्राटा

हमीरपुर।कोरोना महामारी के चलते शासन प्रशासन द्वारा कोविड गाइड लाइन जारी कर आपदा से निपटने के लिए मुख्यामंत्री द्वारा हमीरपुर जिले के जिलाधिकारी ने कोविड के नियमों का सख्ती से पालन कराये जाने के निर्देश जारी किए हैं। महामारी की चौन तोड़ने के लिए सरकार ने सप्ताह में तीन का लॉकडाउन की घोषण की है।मुख्यालय से संचालित डग्गामार क्रूजर चालक कोविड नियमों को ताक मे रखते हुए अपने वाहन में बिना मास्क लगाये सवारियों को क्षमता से अधिक बैठाकर व बाहर लटकाकर उरई–हमीरपुर मार्ग में फर्राटे भरते नजर आया हैं। इसे शासन प्रशासन कोई डर नही है। यह बेखौफ होकर सवारियों की जिन्दगी के साथ खिड़वाड़ करने में लगे हुए है। कोविड गाइडलाइन की धज्जियां उड़ा रहे हैं! शासन प्रशासन मूक दर्शन बना हुआ देख रहा है। वहीं दूसरी ओर डग्गामार वाहनों के चालकों का कहना है साप्ताहिक बंदी के दौरान जब रोडवेज बसें चल सकती हैं तो हमारे वाहनों मे पावन्दी क्यों लगाई जा रही है!

सख्ती से पालन करने के निर्देश दिये जा रहे हैं। वहीं दूसरी ओर डग्गामार क्रूजर चालक वाहनों के अन्दर भूसे की तरह सवारिया बैठाकर कोविड गाइड लाइन की धज्जियां उड़ाते बेखौफ फर्राटे भर रहे हैं। कोरोना महामारी की दूसरी लहर की

जिले में फलों की मांग बढते ही दूकानदारो ने मुनाफा कमाने के चक्कर में बढाये दाम, जनता परेशान

हमीरपुर।कोरोना वायरस दूसरी लहर में जहाँ एक तरफ लोगों के लाले पड़े है लोग बीमार हो रहे कमजोरी के कारण डॉक्टर सलाह देते है की फल खाओ जब पीड़ित लोग फलो की दुकानों मे पहुंच कर फलो के दाम पूछते है तो दुकानदार द्वारा बताये गए रेट सुनकर पीड़ित लोगों के नीचे से धरती खिसक जाती है।मुख्यालय मे इन दिनों फलो के दाम आसमान छू रहे है! फल कम आ रहे है। स्थानीय फलो की आवक कम होने की वजह से कीमत दिनोंदिन महंगी होती जा रही है। जनपद में फल इतने महंगे हो चुके है कि वह एक आम आदमी को दिलों से गायब हो गये है। आम दिनों में अगस्त सितंबर महीने में फलों के दाम ज्यादा होते है, लेकिन इस कोरोना महामारी मे सप्ताहिक बंदी के चलते कीमतों में 50 प्रतिशत तक का अतिरिक्त इजाफा देखने को मिला है। पिछले साल कोरोना काल में जो अँगूर 40से बढ़कर 60 किलो बिक रहे थे। वह इस समय 100,120रूपये किलो तक बेचे जा रहे है। सेब इन दिनों सबसे महंगा बिक रहा है, इसकी कीमत इस समय 240 रूपये प्रति किलो है। अन्य फलों के दाम भी इस महामारी के समय आसमान छू रहे है!अनार 80से 130रूपए, संतरा 120 रुपये, केला 80 रुपये तक बिक रहा है। वहीं कोरोना वायरस के चलते बाजार बंद होने के कारण और फलों की कीमत महंगी होती जा रही है।और उपभोक्ताओं को काफी दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है। और फलों के दाम आम आदमी की पहुंच से दूर होते जा रहे है। साथ ही लोकल फलों की आवक नहीं होने के कारण फलों के दाम बढ़ते क्रम में है।

संक्षिप्त समाचार

शहर, कस्बे में चलाया गया सैनिटाइजेशन अभियान

उरई/जलौन, (यूएनएस)। पालिका प्रशासन ने रविवार को सरकारी दफ्तरों के अलावा बस्ती के कई इलाकों में सैनिटाइजेशन अभियान चलाया। वीकेंड लॉकडाउन में साफ–सफाई और सैटिाइजेशन की गाइडलाइंस के अनुपालन में यह अभियान चलाया जा रहा है। शुक्रवार शाम से शुरू होकर मंगलवार सुबह तक के 83 घंटे के वीकेंड कर्फ्यू में शहर के वार्ड नंबर 20, 30, 31 के साथ मुख्य बाजार, बजरिया आदि इलाकों में सैनिटाइजेशन कराया गया। पालिकाध्यक्ष अनिल बहुगुणा, ईओ संजय कुमार, सफाई निरीक्षक अशोक कुमार ने सैनिटाइजेशन कार्य का निरीक्षण किया। कोंच संवाद के अनुसार सैनिटाइजेशन की स्पीड तेज करने के निर्देशों पर रविवार को आजाद नगर, भगतसिंह नगर, गोखलेनगर, मालवीय नगर आदि कई मोहल्लों में पालिका टीम ने रास्तों और इमारतों को सैनिटाइज किया। पालिका के प्रभारी ईओ व एसडीएम अशोक कुमार के निर्देशन और आरआई सुनील कुमार यादव की देखरेख में पालिका कर्मियों की टीम ने सैनिटाइजेशन अभियान चलाया। आरआई सुनील ने बताया कि अभियान रोज सुबह से शुरू होकर देर शाम तक चलाया जा रहा है। माधौगढ़ संवाद के अनुसार साप्ताहिक कर्फ्यू को लेकर नगर पंचायत अध्यक्ष, ईओ की देखरेख में कसबा को सैनिटाइज किया गया। साथ ही नालियों में दवा डाली गई। कोरोना संक्रमण की रोकथाम को लेकर नगर पंचायत अध्यक्ष राजकिशोर गुप्ता, ईओ अमित नायक, लिपिक पुरुषोत्तम तिवारी ने कसबा को सैनिटाइज कराया। दुकान, ढाला, पान की गुमटियों को सैनिटाइज किया गया। ईओ का कहना है कि कसबा में सभी जगह सैनिटाइज, नालियों में दवा डाली जा रही है।

डांस के दौरान जनाती बराती में मारपीट, दूल्हा भागा

उरई/जलौन, (यूएनएस)। डीजे के गाने को लेकर जनातियों और बरातियों में कहा सुनी हो गई। शराब में धुत बरातियों ने जनातियों के रिश्तेदार की पिटाई कर दी। इसी को लेकर दोनों पक्ष में लाठी डंडा चलने लगे। जिसमें आधा दर्जन लोग चुटहिल हो गए। हंगामे के बीच दूल्हा डरकर भाग गया। सूचना पर कोतवाल बीएल यादव पुलिस फोर्स के साथ पहुंचे। इसके बाद न सिर्फ मामला शांत हुआ बल्कि दूल्हे को वापस बुलाकर शादी की बाकी रस्में भी पूरी की गई। कोतवाली क्षेत्र के एक गांव की युवती की शादी रामपुरा थाना क्षेत्र के गांव निवासी युवक से 01 मई को हो रही थी। दोनों ही गांव आसपास भी है। डीजे के धुन पर बराती नाचते हुए दरवाजे पर आए तो शराब में धुत बारातियों ने दुल्हन के एक करीबी रिश्तेदार के साथ कुछ अभद्रता कर दी। इस पर दोनों पक्षों में शुरू हुई कहासुनी देखते ही देखते मारपीट में तब्दील हो गई। जिससे जनातियों और बरातियों में भगदड़ मच गई। दोनों पक्षों के बीच जमकर लाठी डंडे भी चले। जिसमें आधा दर्जन लोग चुटहिल हो गए। मारपीट के दौरान दूल्हा और कुछ बराती वहां से अपनी जान बचाकर भाग निकले। सूचना पर कोतवाल बीएल यादव पुलिस फोर्स के साथ पहुंच गए। कोतवाल ने दूल्हे के पिता एवं लड़की के पिता व परिजनों को बैठाकर बातचीत की और मामूली रूप से घायलों को इलाज के लिए भेजा। इतना ही नहीं कोतवाल ने गाड़ी भेजकर दूल्हे को भी घर से बुलाया। इसके बाद शादी की रस्में पूरी कराई गई। कोतवाल बीएल यादव का कहना है कि दोनों पक्ष के लोगों से कह दिया गया है कि किसी भी तरह का विवाद होता है उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल कोई लिखा पढ़ी नहीं की गई है।

पति ही निकला हत्यारा, पुलिस ने किया गिरफ्तार

उरई/जलौन, (यूएनएस)। दो दिन पूर्व नदीगांव में एक महिला का शव झाड़ियों में मिला था। सिर पर चोट के निशान थे। पुलिस ने बताया कि पति ने अपनी पत्नी को चारपाई का पाया मारकर हत्या की थी। आरोपी पति को आलाकत्ल के साथ गिरफ्तार कर लिया गया है। गुरुवार की सुबह नदीगांव कस्बे में पुराने बस स्टैंड के समीप झाड़ियों में सरिता वर्मा (35) का शव बरामद हुआ था। इसके बाद पति मनोज ने दुर्घटना में पत्नी की मौत का मामला दर्ज कराया था। इधर, सरिता के पिता भूपनारायण निवासी भेंपता ने सीओ राहुल पांडे को प्रार्थना पत्र देकर दहेज के लिए उसकी बेटी की हत्या का आरोप ससुरालियों पर लगाया था। इस कारण पुलिस मामले की जांच में जुटी थी। शनिवार शाम को एसएचओ नदीगांव रूपकृष्ण त्रिपाठी ने पूरे मामले का खुलासा करते हुए बताया कि पूछताछ में पति मनोज ने स्वीकार किया कि उसका और सरिता के बीच घर में झगड़ा हुआ था। मारपीट के दौरान मनोज ने पास में पड़ा चारपाई का पाया उठाकर सरिता के सिर में मार दिया। जिससे वह लहूलुहान होकर चारपाई पर गिर गई। सिर से अधिक खून बह जाने के कारण लगभग आधे घंटे बाद उसकी मौत हो गई। यह देख कर मनोज के हाथ पांव फूल गए और उसने सरिता के शव को मारुति वैन में डालकर रात के अंधेरे में झाड़ियों में फेंक दिया था। पुलिस ने आरोपी पति मनोज को नावली मोड़ से गिरफ्तार कर लिया। उसकी निशानदेही पर खून सना चारपाई का सिरवा और लाश ठिकाने लगाने में प्रयुक्त मारुति वैन भी बरामद की है। मनोज के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज किया गया है।

कोरोना संक्रमण का टूटा रिकार्ड, सर्वाधिक 541 केस

उरई/जलौन, (यूएनएस)। कोरोना संक्रमण रोजाना नए रिकार्ड बना रहा है। हालत दिन ब दिन भयावह होती जा रही है। रविवार को अब तक के सर्वाधिक 541 केस आए है। इसके साथ ही संक्रमितों की संख्या बढ़कर 7931 हो गई है। दो लोगों कीउ मौत भी हुई है। इससेच मृतकों की संख्या भी बढ़कर 123 पहुंच गई है। 5661 लोग ठीक भी हुए है। फिलहाल 2129 केस एक्टिव है। जिला प्रशासन की ओर से देर रात जारी सूची के अनुसार, अब तक 369428 सैंपल लिए जा चुके हैं। शनिवार को ट्रूनेट जांच में 14, एंटीजन जांच में 62 पॉजिटिव निकले है। शेष आरटीपीसीआर जांच में पॉजिटिव आए है। रविवार को ठीक होने पर 150 लोगों को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। संक्रमितों में सर्वाधिक उरई तहसील क्षेत्र के है। लगातार बढ़ रहे संक्रमण को लेकर जिला प्रशासन ने लोगों को सावधानी बरतने की सलाह दी है। जिलाधिकारी प्रियंका ने बताया कि लोग बेवजह घरों से न निकले। हमेशा मास्क लगाकर रखे। जो भी मरीज होम आइसोलेशन में है। यदि किसी मरीज का ऑक्सीजन लेवल कम होता है और वह कोविड एल वन अस्पताल में भर्ती होना चाहता है तो वह कंट्रोल रूम के दूरभाष नंबर 05162–252516, 252313,253357,257090, 250039 पर कॉल करके एल वन अस्पताल में भर्ती हो सकते है। एल वन अस्पताल में अभी 216 बेड खाली है। सीएमओ डॉ ऊषा सिंह ने बताया कि जिन इलाकों में संक्रमित मिले है।

कीरोन पोलार्ड की आंधी में उड़ी चेन्नई, मुंबई ने 4 विकेट से हराया

नयी दिल्ली। मुंबई इंडियन्स ने इंडियन प्रीमियर लीग में शनिवार को यहां चेन्नई सुपर किंग्स को चार विकेट से मात दी। कीरोन पोलार्ड की 34 गेंद में 87 रन की पारी के दम पर मुंबई ने जीत के लिए मिले 219 रन के लक्ष्य को आखिरी गेंद पर हासिल कर लिया। इससे पहले फाफ डुप्लेसिस (50) और मोईन अली (58) की शतकीय साझेदारी के बाद अंबाती रायुडु की नाबाद 72 रन की आतिशी पारी के दम पर चेन्नई सुपरकिंग्स ने इंडियन प्रीमियर लीग मुकाबले में शनिवार को यहां मुंबई इंडियन्स के खिलाफ पहले बल्लेबाजी करते हुए चार विकेट पर 218 रन का बड़ा स्कोर खड़ा किया। रायुडु ने महज 20 गेंद में अपना 20वां अर्धशतक पूरा करने के बाद 27 गेंद की नाबाद पारी में चार चौके और सात छक्के जड़े। उन्होंने पांचवें विकेट के लिए जडेजा के साथ 102 रन अटूट साझेदारी की जिसमें जड़ेजा का योगदान 22 गेंद में सिर्फ 22 रन का था। चेन्नई की टीम ने 2008 के बाद पहली बार मुंबई के खिलाफ 200 से ज्यादा का स्कोर खड़ा करने में सफल रही। इससे पहले शुरुआती ओवर में रुतुराज गायकवाड के आउट होने के बाद डुप्लेसिस और मोईन ने दूसरे विकेट लिए 108 रन जोड़कर मजबूत नींव रखी। मोईन ने 36 गेंद में चार चौके और पांच छक्के जड़े। मुंबई के लिए कीरोन पोलार्ड सबसे सफल गेंदबाज रहे जिन्होंने दो ओवर में महज 12 रन देकर दो विकेट झटके। मुंबई के मुख्य गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने चार ओवर में एक विकेट लेकर 56 रन लुटाए, जो उनका सबसे महंगा स्पैल रहा। ट्रेंट बोल्ट ने चार ओवर में 42 रन देकर एक विकेट लिया। इससे पहले टॉस गंवाने के बाद बल्लेबाजी के लिए उतरी चेन्नई के लिए रुतुराज गायकवाड़ ने पारी की दूसरी गेंद पर चौका लगाया लेकिन बोल्ट ने उन्हें दो गेंद के बाद ही पवेलियन की राह दिखा दी। हार्दिक ने कैच लेकर चार गेंद में उनकी चार की पारी को खत्म किया।

CSK के खिलाफ मिली जीत को रोहित शर्मा ने बताया जिंदगी का सबसे रोमांचक मैच

मुंबई इंडियन्स के कप्तान रोहित शर्मा ने कहा, यह मेरी जिंदगी का सबसे रोमांचक टी–20 मैचों में से एक था।रोहित ने मैच के बाद पुरस्कार समारोह में कहा कि पोलार्ड ने अद्भुत पारी खेली।

नयी दिल्ली। चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ बड़े स्कोर वाले मैच में चार विकेट की रोमांचक जीत दर्ज करने के बाद मुंबई इंडियन्स के कप्तान रोहित शर्मा ने कहा कि यह उनकी जिंदगी का सभवतरू सबसे रोमांचक टी20 मैच था। चेन्नई की चार विकेट पर 218 रन के विशाल स्कोर का पीछा करते हुए मुंबई ने मैच छह विकेट पर 219 रन बनाकर आखिरी गेंद पर शानदार जीत दर्ज की। उनके जीत के नायक रहे कीरोन पोलार्ड, जिन्होंने महज 34 गेंद में 87 रन की नाबाद पारी खेली। रोहित ने मैच के बाद पुरस्कार समारोह में कहा कि पोलार्ड ने अद्भुत पारी खेली। उन्होंने कहा, '' यह संभवतः मेरी जिंदगी का सबसे रोमांचक टी–20 मैच था। पोलार्ड लाजवाब थे। यह मैदान छोटा है तो ऐसे में गेंदबाजों के लिए स्थिति थोड़ी विकट थी।'' रोहित ने कहा कि उन्हें उम्मीद थी कि अगर कोई बल्लेबाज आखिरी तक क्रीज पर रहा तो लक्ष्य हासिल हो जाएगा। उन्होंने कहा, '' हमें पता था कि यह बल्लेबाजी के लिए अच्छा मैदान है, ऐसे में हमने पूरे 20 ओवर तक क्रीज पर रहने का फैसला किया था। हमने अच्छी शुरूआत की और बाद में कृणाल पंड्या तथा पोलार्ड ने पारी को संभाला। टीम में हार्दिक पंड्या और जेम्स नीशम की मौजूदगी से हमें जीत का भरोसा था। '' मैन ऑफ द मैच पोलार्ड ने बल्ले के साथ गेंद से भी कमाल दिखाया और दो ओवर में सिर्फ 12 रन देकर दो विकेट झटके। उन्होंने कहा, '' जब हम गेंदबाजी कर रहे तब हमारे गेंदबाज तेज गेंद फेंक रहे थे। उस पर रन बनाना आसान था इसलिए मैंने धीमी गेंदों का इस्तेमाल किया।'' पोलार्ड को कहा वह आखिरी ओवर की सभी छह गेंद खुद खेलना चाहते थे। उन्होंने कहा, '' मुझे पता था गेंदबाज मेरे खिलाफ वाइड यॉर्कर गेंदों का इस्तेमाल करेंगे।

MI के कीरोन पोलार्ड को धीनी की टीम के खिलाफ विजयी पारी खेलने पर है गर्व

नयी दिल्ली। मुंबई इंडियन्स के आक्रामक बल्लेबाज कीरोन पोलार्ड को चिर प्रतिद्वंद्वी चेन्नई सुपरकिंग्स के खिलाफ मैच विजयी पारी खेलने का गर्व है और उन्होंने कहा कि इस तरह के प्रदर्शन की लोग लंबे समय तक बात करते हैं। पोलार्ड ने शनिवार को सुपरकिंग्स के खिलाफ 34 गेंद में नाबाद 87 रन की पारी खेलकर मुंबई इंडियन्स को अकेले दम पर जीत दिलाई। पोलार्ड ने मैच के बाद प्रेस कांफ्रेंस में कहा, ''सुपरकिंग्स की टीम में विश्व स्तरीय खिलाड़ी हैं। हम इस मैच को आईपीएल की चिर प्रतिद्वंद्वी टीमों के बीच मुकाबला कह सकते हैं। जब आपके पास इतने अधिक अनुभव वाले अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी होते हैं। फाफ डु प्लेसिस और सुरेश रैना जिन्होंने लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है। '' वेस्टइंडीज के इस आलराउंडर ने कहा, ''आपको पता है कि आप इस तरह के मैचों में अच्छा प्रदर्शन करना चाहते हैं। जब लोग व्यक्तिगत प्रदर्शन की बात करते हैं तो इस तरह की चीजें ही मायने रखती हैं।''

मुंबई इंडियन्स और सीएसके आईपीएल की दो सबसे सफल टीमें हैं। मुंबई इंडियन्स पांच बार के चौंपियन और एक बार के उप विजेता हैं जबकि सुपरकिंग्स की टीम ने तीन बार खिताब जीता और पांच बार उप विजेता रही। पोलार्ड की पारी की बदौलत मुंबई ने 219 रन का लक्ष्य सफलतापूर्वक हासिल किया जो आईपीएल इतिहास का लक्ष्य का सफलतापूर्वक पीछा करते हुए दूसरा सर्वाधिक स्कोर है। पोलार्ड ने कहा, ''काफी खिलाड़ी हैं जिनमें अपनी तरह की प्रतिभा है, काफी खिलाड़ी हैं जो अपनी अंतरराष्ट्रीय टीमों और विभिन्न फ्रेंचाइजियों के लिए क्रिकेट मैच जीतते हैं, इसलिए किसी का नाम नहीं ले रहा लेकिन खिलाड़ियों में अपनी प्रतिभा है।'' उन्होंने कहा, ''कुछ ओवर खेलकर टीम को जीत दिलाने का मौका मिलना अच्छा था। लेकिन यह टीम प्रयास था। कृणाल पंड्या की पारी अहम थी। कप्तान रोहित शर्मा और क्विंटन डिकॉक ने हमें शुरुआत दी और इसके बाद हार्दिक पंड्या ने कुछ छक्के जड़े।

टोयोटा किर्लोस्कर ने अप्रैल में 9,622 इकाइयों की बिक्री की

नयी दिल्ली। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर (टीकेएम) ने शनिवार को कहा कि पिछले महीने डीलरों को 9,622 कारें भेजीं। इनोवा क्रिस्टा और फॉरच्यूनर वाहन के निर्माता इस कंपनी ने पिछले साल अप्रैल में कोई बिक्री नहीं कर पाई थी। इसकी वजह कोविड–19 के प्रसार के कारण इसको फैलने से रोकने के लिए सरकार द्वारा राष्ट्रव्यापी स्तर पर लॉकडाऊन लगाया जाना था। टीकेएम के वरिष्ठ उपाध्यक्ष, नवीन सोनी ने एक बयान में कहा, श्श्चुनौतियों के बावजूद, हम व्यक्तिगत यातायात की जरूरतों के कारण अच्छी मांग देख रहे हैं।''सोनी ने कहा कि हालांकि, देश के विभिन्न हिस्सों में लॉकडाउन ने थोक और खुदरा बिक्री के बीच अंतर को बढ़ाया है। सोनी ने कहा कि फिलहाल कंपनी की प्रमुख जिम्मेदारी अपने कर्मचारियों, उनके परिवारों और अन्य अंशधारकों के स्वास्थ्य को सुरक्षित करना है।

भारतीय स्टेट बैंक ने आवास ऋण पर ब्याज घटा कर 6.70 प्रतिशत की

मुंबई। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने शनिवार को कहा कि उसने आवास ऋण पर ब्याज की दर घटा कर 6.70 प्रतिशत कर दी है। बैंक ने एक विज्ञप्ति में कहा है कि 30 लाख रुपये तक के कर्ज पर ब्याज की दर वार्षिक 6.70 प्रतिशत तथा 30 लाख रुपये से 75 लाख रुपये तक के कर्ज पर ब्याज की दर 6.95 प्रतिशत होगी। बैंक ने इससे ऊपर के कर्ज पर ब्याज 7.05 प्रतिशत रखी है। एसबीआई के प्रबंध निदेशक सीएस सेट्टी ने कहा उनके बैंक के आवास ऋण पर ब्याज कम करने से उपभोक्तओं के लिए कर्ज लेना आसान होगा क्योंकि इससे कर्ज की सामान मासिक किश्त (ईएमआई) घटेगी। बैंक ने कहा है कि महिलाओं के लिए ब्याज पर 0.05 प्रतिशत की रियायत दी जाएगी। इसी तरह योनो ऐप के जरिए कर्ज का आवेदन करने वालों को 0.05 प्रतिशत की अतिरिक्त रियायत दी जाएगी।बैंक 31 मार्च 2021 तक आवास कर्ज पर 6. 70 प्रतिशत की पेशकश कर रहा था।

ऑक्सीजन के लिए विदेश से रिलायंस ने एयरलिफ्ट किए 24 टैंकर

नयी दिल्ली। उद्योगपति मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने देश के अलग–अलग हिस्सों में तेजी से ऑक्सीजन पहुंचाने के लिए विदेश से 24 टैंकर एयरलिफ्ट किए हैं। रिलायंस ने ऑक्सीजन की कड़ी को पुख्ता करने के लिए सऊदी अरब, जर्मनी, बेल्जियम, नीदरलैंड और थाईलैंड से 24

ऑक्सीजन टैंकर्स एयरलिफ्ट किए। देश में तरल ऑक्सीजन की कुल परिवहन क्षमता में इससे 500 टन का इजाफा हुआ है। टैंकर्स एयरलिफ्ट करने में भारतीय वायुसेना का भी भरपूर सहयोग रहा। वहीं रिलायंस के पार्टनर्स सऊदी अरामको और बीपी ने ऑक्सीजन टैंकर्स की अधिग्रहण में मदद की। रिलायंस ने भारतीय वायुसेना और सहयोगी कंपनियों का आभार जताया है। रिलायंस जामनगर तेल रिफाइनरी में प्रतिदिन 1000 टन से अधिक मेडिकल–ग्रेड ऑक्सीजन का उत्पादन कर रहा है। यह ऑक्सीजन कोविड–19 से बुरी तरह प्रभावित राज्यों को मुफ्त में दी जा रही है। यह कंपनी देश में करीब 11 प्रतिशत मेडिकल ग्रेड ऑक्सीजन का उत्पादन कर रही है। मुकेश अंबानी, रिलायंस के मिशन ऑक्सीजन की निगरानी खुद कर रहे हैं। उनके नेतृत्व में रिलायंस दोहरी रणनीति पर काम कर रहा है। रिलायंस की जामनगर स्थित रिफाइनरी के बहुत से प्रक्रिया में बदलाव कर ज्यादा से ज्यादा जीवनदायी ऑक्सीजन का निर्माण किया जा रहा है और लोडिंग और परिवहन क्षमताओं को बढ़ाया जा रहा है। रिलायंस की जामनगर रिफाइनरी में कच्चे तेल से डीजल, पेट्रोल, और जेट ईंधन जैसे उत्पाद बनाए जाते हैं, यहां मेडिकल–ग्रेड ऑक्सीजन का उत्पाद नहीं किया जाता था। लेकिन कोरोनोवायरस के मामलों में जिस तेजी से वृद्धि हुई है और ऑक्सीजन की मांग बढ़ी है, उसको देखते हुए रिलायंस ने अपने प्रोसेस में बदलाव कर मेडिकल–ग्रेड ऑक्सीजन का उत्पादन शुरू कर दिया। देश में ऑक्सीजन की लोडिंग और आपूर्ति एक बड़ी बाधा बनकर उभरी है। रिलायंस के इंजीनियर ने इसका हल नाइट्रोजन टैंकर्स को ऑक्सीजन टैंकर्स में बदल कर खोज निकाला। रिलायंस के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने कहा "जब भारत कोविड–19 की दूसरी लहर के खिलाफ लड़ रहा है तब मेरे लिए और रिलायंस में हम सभी के लिए, जीवन बचाने से ज्यादा महत्वपूर्ण कुछ नहीं है।" एक बयान में रिलायंस फाउंडेशन की चेयरपर्सन नीता अंबानी ने कहा, "हमारा देश अभूतपूर्व संकट से गुजर रहा है। रिलायंस फाउंडेशन में हम मदद की हर संभव कोशिश करेंगे।"

संक्षिप्त

स्पेनिश फुटबॉल लीग: एटलेटिको ने एल्शे को हराया, शीर्ष पर बरकरार

बार्सीलोना। एटलेटिको मैड्रिड ने मार्कोस लॉरेंटे के गोल की बदौलत एल्शे को 1–0 को हराकर स्पेनिश फुटबॉल लीग के शीर्ष पर अपना स्थान बरकरार रखा है। एल्शे के पास इंजरी टाइम में बराबरी हासिल करने का मौका लेकिन फिडेल शावेज पेनल्टी किक पर गोल दागने से चूक गए। रीयाल मैड्रिड ने भी एडेर मिलिशाओ और कासेमिरो के गोल की बदौलत शनिवार को ओसासुना को 2–0 से शिकस्त दी। इस जीत से एटलेटिको की टीम 34 मैचों में 76 अंक के साथ शीर्ष पर है जबकि दूसरे स्थान पर मौजूद रीयाल मैड्रिड के इतने ही मैचों में 74 अंक हैं।

ऑक्सीजन सप्लाई के लिए RCB करेगा डोनेट, नीली जर्सी की नीलामी कर जुटाएगी कोष

अहमदाबाद। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) फ्रेंचाइजी रॉयल चौलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) ने कोविड–19 महामारी के खिलाफ भारत की लड़ाई में रविवार को 'आक्सीजन से संबंधित' बुनियादी ढांचे के लिए वित्तीय सहयोग का वादा किया और आगामी मैच में खिलाड़ियों की विशेष नीली जर्सी की नीलामी करके भी कोष जुटाएगी। आरसीबी की अगुआई करने वाले भारतीय कप्तान विराट कोहली ने फ्रेंचाइजी द्वारा ट्विटर पर डाले वीडियो में कहा है कि जमीनी स्तर पर मदद कैसे की जा सकती है इसे लेकर उन्होंने चर्चा की है। कोहली ने वीडियो में कहा, ''आरसीबी ने बेंगलोर और अन्य शहरों में उन अहम हिस्सों की पहचान की है जहां आक्सीजन से संबंधित स्वास्थ्य बुनियादी ढांचे में तुरंत मदद की जरूरत है।'' कोविड–19 संक्रमण की दूसरी लहर और अपर्याप्त स्वास्थ्य बुनियादी ढांचे के कारण फैली तबाही से निपटने के लिए भी टीम कोष जुटाएगी। कोहली ने कहा, ''आरसीबी एक मैच में विशेष नीली जर्सी पहनकर खेलेगी जिसमें हमारी मैच किट पर अहम संदेश देते हुए इस संक्रमण से जूझने में मदद करने वालों के प्रति सम्मान और एकजुटता दिखाएगी जिन्होंने पिछले एक साल में अधिकांश समय पीपीई किट पहनकर महामारी के खिलाफ लड़ाई में बिताया है।'' उन्होंने कहा, ''आरसीबी की टीम इस मैच में खिलाड़ियों के हस्ताक्षर वाली जर्सी की नीलामी करके पैसे जुटाएगी और स्वास्थ्य बुनियादी ढांचे के समर्थन के लिए हमारे पहले के वित्तीय योगदान में इजाफा करेगी। '' आरसीबी सोमवार को यहां कोलकाता नाइट राइडर्स से भिड़ेगी।

मार्च के मुकाबले मारुति सुजुकी की कुल बिक्री चार प्रतिशत घट गई

नयी दिल्ली। देश की सबसे बड़ी कार निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया (एमएसआई) ने शनिवार को बताया कि कोविड–19 के कारण डिस्पैच के प्रभावित होने से अप्रैल के महीने में उसकी कुल बिक्री चार प्रतिशत घटकर 1,59,691 इकाई रह गई जो बिक्री इस साल मार्च में 1,67,014 इकाइयों की हुई थी। कंपनी, पिछले साल अप्रैल में घरेलू बाजार में देशव्यापी लॉकडाऊन होने के कारण वाहन की कोई भी इकाई की बिक्री नहीं कर पाई थी। एमएसआई ने कहा कि पिछले महीने उसकी घरेलू बिक्री 1,42,454 इकाई की हुई थी, जो मार्च में 1,55,417 इकाइयों की बिक्री से आठ प्रतिशत कम है। ऑल्टो और एस–प्रेसो सहित मिनी कारों की बिक्री अप्रैल में दो प्रतिशत बढ़कर 25,041 इकाई हो गई जो मार्च में 24,653 इकाई थी। स्विफ्ट, सेलेरियो, इग्निस, बलेनो और डिजायर सहित कॉम्पैक्ट सेगमेंट में वाहनों की बिक्री इस साल मार्च के 82,201 कारों के मुकाबले 12 प्रतिशत घटकर अप्रैल में 72,318 इकाई रह गई। इस साल मार्च में 1,628 इकाइयों की तुलना में मध्यम आकार की सेडान सियाज की बिक्री चार प्रतिशत घटकर 1,567 इकाई रह गई। एमएसआई ने कहा कि विटारा ब्रेजा, एस–क्रॉस और अर्टिगा सहित यूटिलिटी वाहन की बिक्री तीन प्रतिशत घटकर 25,484 इकाई रह गई जो मार्च में 26,174 इकाई थी। हालांकि, अप्रैल में निर्यात 49 प्रतिशत बढ़कर 17,237 इकाइयों की हुई जबकि मार्च में यह निर्यात 11,597 इकाई थी। इस प्रमुख ऑटो कंपनी ने पिछले साल भी अप्रैल में 632 इकाइयों का निर्यात करने में कामयाबी हासिल की थी।

अप्रैल में भीम यूपीआई पर लेनदेन मामूली गिरावट के साथ 4.94 लाख करोड़ रुपये रह गया

नयी दिल्ली। भीम यूपीआई के जरिये इस वर्ष अप्रैल में डिजिटल लेनदेन पिछले माह की तुलना में 2.2 प्रतिशत घटकर 4.94 लाख करोड़ रुपये रह गया है। एनपीसीआई के आंकड़ों में शनिवार को यह जानकारी दी गई है। मार्च 2021 में यह डिजिटल लेनदेन 5.05 लाख करोड़ रुपये का हुआ था। अप्रैल महीने के दौरान लेनदेन की कुल संख्या 2.64 अरब थी, जो मार्च महीने के 2.73 अरब लेनदेन से 3.3 प्रतिशत कम है। भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) देश में सभी खुदरा भुगतान प्रणाली का एक अग्रणी निकाय है।

राज्य आपदा राहत कोष के लिए राज्यों को केंद्र से 8,873.6 करोड़ रुपये जारी

नयी दिल्ली। वित्त मंत्रालय ने शनिवार को बतातया कि उसने राज्य आपदा राहत कोष (एसडीआरएफ) के लिए 8,873. 6 करोड़ रुपये की पहली किश्त अग्रिम तौर पर जारी की है। मंत्रालय के अनुसार एसडीआरएफ राशि के 50 प्रतिशत तक का उपयोग राज्यों द्वारा कोविड–19 की रोकथाम संबंधी उपायों के लिए किया जा सकता है। सामान्य तौर पर एसडीआरएफ की पहली किश्त जून में जारी की जाती है। वित्त आयोग की इस बारे में ऐसी ही सिफारिश है। मंत्रालय ने एक बयान में कहा, 'व्यय विभाग ने गृह मंत्रालय की सिफारिश पर एक विशेष व्यवस्था के तहत सभी राज्यों को वर्ष 2021 के लिए राज्य आपदा राहत कोष (एसडीआरएफ) के केंद्रीय हिस्से की पहली किस्त को निर्धारित समय से पहले अग्रिम तौर पर जारी किए हैं।

हिन्दी दैनिक

अमिट रेखा

4

कुशीनगर सोमवार, 03 मई 2021

सम्पादकीय.....

वैक्सीन के भरोसे जूझने का दमखम

जब बृहस्पतिवार को पूरे देश में पौने चार लाख नये संक्रमितों के मामले सामने आए और साढ़े तीन हजार से अधिक लोगों की मौत हुई, देश में कोरोना संकट की भयावहता का अंदाजा लगाया जा सकता है। तंत्र की संवेदनहीनता देखिये कि इस भयानक होते संकट के बीच पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव जारी था। डरे–सहमे चुनाव कर्मियों के हुजूम के चुनाव सामग्री एकत्र करने के चित्र अखबारों में प्रकाशित हुए। इसी बीच टीकाकरण के तीसरे चरण के लिये ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन में भारी उत्साह बताता है कि देश का जनमानस इस संकट में वैक्सीन को ही अंतिम सुरक्षा उपाय के रूप में देख रहा है। पहले ही दिन सवा करोड़ से अधिक नामांकन होना इसी बात का संकेत है। हालांकि देश में पहले दो चरणों में पंद्रह करोड़ लोगों द्वारा वैक्सीन करवाया जा चुका है लेकिन देश की आबादी के अनुपात में यह काफी नहीं है। यहां सवाल यह भी है कि 18 साल से अधिक उम्र के लोगों को टीका लगाने के लिये क्या वैक्सीन उपलब्ध है? क्या देश की दो वैक्सीन कंपनियां समय से पहले इतने टीके उपलब्ध करा पायेंगी? धीरे–धीरे देश में यह धारणा बलवती होने लगी है कि फिलहाल टीकाकरण ही कोरोना का अंतिम सुरक्षा कवच है। लेकिन तेजी से फैलते संक्रमण के बीच टीकाकरण केंद्रों का सुरक्षित होना भी एक चुनौती है। इस दौरान टीका लगाने की गति में कमी आई है। वहीं महाराष्ट्र, राजस्थान और छत्तीसगढ़ ने कह दिया है कि टीकों की उपलब्धता न होने से वे एक मई से 18 साल से अधिक की उम्र के लोगों को टीका देने में समर्थ नहीं हैं। राजस्थान ने इस वर्ग के लिये सवा तीन करोड़ खुराक की बुकिंग कराई है, लेकिन सीरम इंस्टीट्यूट का कहना है कि वह मई मध्य तक ही ये टीके उपलब्ध करा पायेगा। लॉकडाउन से गुजर रहे महाराष्ट्र ने भी बारह करोड़ खुराक की मांग की है। सरकार ने पिछले दिनों विदेशी टीकों के लिये भी दरवाजे खोले हैं, लेकिन इससे भी मौजूदा जरूरतें पूरी नहीं होती। जाहिर है ऐसे में देश की दोनों वैक्सीन निर्माता कंपनियों को युद्धस्तर पर टीकों का उत्पादन करना होगा। यह अच्छी बात है कि सीरम इंस्टीट्यूट के टीके के लिये जरूरी कच्चे माल की आपूर्ति पर अमेरिका ने रोक हटा दी है। ऐसे में जरूरी है कि संकट की स्थिति को देखते हुए देश में उपलब्ध टीका निर्माण क्षमता का उपयोग करके अन्य कंपनियों से भी सहयोग किया जाना चाहिए। साथ ही जो अन्य टीके अंतिम चरण में हैं, उन्हें स्वीकृति की जटिल प्रक्रिया से राहत देने का प्रयास करना चाहिए। यह इसीलिये भी जरूरी है कि कुछ राज्यों ने तीसरे चरण के टीकाकरण को टीकों की आपूर्ति में कमी और अनुपलब्धता के चलते टालने का मन बनाया है। इस बीच एक अच्छी खबर यह है कि अमेरिका के शीर्ष संक्रामक रोग विशेषज्ञ डॉ. फाउची ने कहा है कि भारत में बनी कोवैक्सीन भारत में कहर बरपा रहे नये वेरिएंट बी.1.617 के खिलाफ असरदार है। उन्होंने कहा कि भारत में जिन लोगों ने यह वैक्सीन ली है, उनके विश्लेषण में पाया गया है कि कोवैक्सीन ज्यादा असरदार है। इस मुहिम के बावजूद एक दुखद पहलू यह है।

कौन मुसलमानों को बेवजह डराए रखना चाहता है

आर.के. सिन्हा

क्या उनकी हमेशा अनदेखी होती रहे? दरअसल मुसलमानों के मसलों को उठाने वाले शक्तिशाली नेता, लेखक, पत्रकार वगैरह अपने समाज के सबसे पिछड़े (अजलाफ) और अरजाल (दलित) को लेकर तो कतई गंभीर नहीं रहते। ये ही है भारतीय मुसलमानों की कुल आबादी का कम–से–कम 85 फीसद। पसमांदा आंदोलन मुसलमानों के पिछड़े और दलित तबकों की नुमाइंदगी करता है और उनके मुद्दों को उठाता भी है। यह भारत की मुख्यधारा के मुसलमानों की अकलियती सियासत को अशराफिया (अगड़ी जाति के मुसलमान) राजनीति मानता है और उसे चुनौती देता है। आगे बढ़ने से पहले जान लेते हैं आखिर क्या हैं अशराफिया राजनीति ? जान लें कि यह मुसलमानों की अगड़ी जातियों की राजनीति है जो कि सिर्फ कुछ जज्बाती मुद्दों को ही उठाते हैं। यह अभी तक मोटा–मोटी उर्दू अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, पर्सनल लॉ इत्यादि को ही उठाते रहे हैं।

सच में कभी–कभी ऐसा लगता है कि अपने देश में कुछ विक्षिप्त मानसिकता के लोगों को सिर्फ गलत ढंग से मुसलमानों को मजबूर या मजलूम दिखाने का शौक चढ़ गया है। वे मुसलमानों को हर वक्त एक विक्टिम के रूप में पेश करते रहना चाहते हैं। यह सब करने के मूल में उनका कोई राजनीतिक एजेंडा सधता है। अब ताजा मामला ही ले लें। हाल ही में चंडीगढ़ के एक गैर सरकारी संगठन ने जनहित याचिका दाखिल करते हुए पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट में जजों के रिक्त पदों का मुद्दा बनाते हुए कहा कि इसमें 1956 से अब तक कोई मुस्लिम समुदाय का जज नहीं बना है। इसलिए याचिकाकर्ता ने यह दलील दी कि किसी मुस्लिम को भी जज नामित किया जाए। जैसी कि उम्मीद थी जनहित याचिका को पंजाब–हरियाणा हाईकोर्ट ने खारिज कर दिया है। यदि माननीय न्यायालय ने सिरफिरे याचिकाकर्ता पर कोई मोटा दंड भी लगाया होता तो और बेहतर होता। यहां पर सवाल यह है कि अगर इस तरह की दलीलों के आधार पर ही देश चलने लगा तो फिर कोई हिन्दू भी यह कहेगा कि उसे मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड या वक्फ बोर्ड का अध्यक्ष बना दिया जाए? मतलब इस तरह की मांगें तो कभी खत्म ही नहीं होंगी। चलिए एक मिनट के लिए मान भी लें कि पंजाब–हरियाणा हाई कोर्ट का जज कोई मुसलमान नामित हो तो फिर यह बहस चालू हो जाएगी कि क्या वह महिला हो, मुसलमानों के पसमांदा समाज से हो, शिया हो, सुन्नी हो, देवबंदी हो,बरेलवी हो आदि। इस तरह की याचिका करने वालों से पूछा जाना चाहिए कि वे किस सोच के आधार पर ऐसी बेतुकी याचिका दाखिला करते हैं? उनसे यह भी पूछा जाए कि आजाद भारत में कभी कोई मुसलमान प्रधानमंत्री या सेनाध्यक्ष भी नहीं बना है तो क्या इन दो अहम पदों पर भी किसी मुसलमान को नामित किया जाए? उन्हें ही क्यों किया जाए? क्या देश के बाकी नागरिकों या समुदायों के बारे में न सोचा जाए। क्या पारसी, सिख, बुद्ध, ईसाई, हिन्दू, यहूदी, नास्तिक आदि इस देश के नागरिक नहीं हैं? क्या उनकी हमेशा अनदेखी होती रहे? दरअसल मुसलमानों के मसलों को उठाने वाले शक्तिशाली नेता, लेखक, पत्रकार वगैरह अपने समाज के सबसे पिछड़े (अजलाफ) और अरजाल (दलित) को लेकर तो कतई गंभीर नहीं रहते। ये ही है भारतीय मुसलमानों की कुल आबादी का कम–से–कम 85 फीसद। पसमांदा आंदोलन मुसलमानों के पिछड़े और दलित तबकों की नुमाइंदगी करता है और उनके मुद्दों को उठाता भी है। यह भारत की मुख्यधारा के मुसलमानों की अकलियती सियासत को अशराफिया (अगड़ी जाति के मुसलमान) राजनीति मानता है और उसे चुनौती देता है। आगे बढ़ने से पहले जान लेते हैं आखिर क्या हैं अशराफिया राजनीति ? जान लें कि यह मुसलमानों की अगड़ी जातियों की राजनीति है जो कि सिर्फ कुछ जज्बाती मुद्दों को ही उठाते हैं। यह अभी तक मोटा–मोटी उर्दू, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, पर्सनल लॉ इत्यादि को ही उठाते रहे हैं। ये ही बाबरी मस्जिद के सवाल भी पिछले बीस वर्षों से को गर्मा रहे थे। अगर भारत में मुसलमानों की आबादी कुल आबादी की 13.4 फीसद (जनगणना, 2001) है, तो अशराफिया आबादी मात्र 2.1 फीसद (जो कि मुसलमान आबादी के 15 फीसद हैं) के आसपास होगी। हालांकि, लोकसभा में उनका प्रतिनिधित्व 4.5 प्रतिशत है जो कि उनकी आबादी प्रतिशत के दोगुने से भी ज्यादा है। साफ जाहिर है कि इस तरह के मुस्लिम सियासत से मुसलमानों के किस तबके को लाभ मिल रहा है। हैरानी होती है कि अपने को मुसलमानों का हमदर्द कहने वाले कभी पसमांदा मुसलमानों, औरतों, शिक्षा, महंगाई या रोजगार के सवालों पर सड़कों पर नहीं उतरते। याद नहीं आ रहा कि इन्होंने देश के मुसलमानों को कभी महंगाई, बेरोजगारी या अपने–अपने इलाकों में नए–नए स्कूल, कॉलेज या अस्पताल खुलवाने आदि की मांगों को लेकर सड़कों पर उतरने के लिए प्रेरित किया हो। आपको एक भी इस तरह का उदाहरण याद नहीं आएगा जब मुसलमान अपने मूल और बुनियादी सवालों पर आंदोलनरत हुए हों। क्या इनके लिए महंगाई, निरक्षरता या बेरोजगारी जैसे सवाल अब पूरी तरह गौण हो चुके हैं? मुसलमानों को इनके धार्मिक और सियासी रहनुमा क्या अंधकार युग में ही रखना चाहते हैं। ये भी अपने को बदलने के लिए तैयार नहीं हैं। क्या कभी मुसलमान दलितों, आदिवासियों या समाज के अन्य कमजोर वर्गों के हितों में आगे आए हैं? कभी नहीं। ये बात–बात पर गुजरात दंगों की बात करना तो नहीं भूलते। पर यह गोधरा के दिल दहलाने वाले योजनाबद्ध आपराधिक जघन्य संहार को याद नहीं करते। क्या ये कभी कश्मीर में इस्लामिक कट्टरपंथियों के हाथों मारे गए पंडितों के लिए भी बोले या लड़े? क्या दिल्ली में जब 1984 में श्रीमती इंदिरा गांधी की हत्या के बाद सिखों का नरसंहार हो रहा था तब ये सिखों को बचाने के लिए भी आगे आए थे? ये सारी बातें इतिहास के पन्नों में दर्ज है। इन्हें अपने को हमेशा विक्टिम की स्थिति में रखना–बताना और दुनिया के सामने पेश करने में ही अच्छा लगता है। ये सिर्फ अपने अधिकारों की बातें करते हैं। ये कर्तव्यों की चर्चा करते ही हत्थे से उखड़ जाते हैं। दरअसल आज के दिन कुछ लोगों ने देश का वातावरण इस हद तक विषाक्त कर रखा है कि एक टीवी एंकर की मौत पर एक खास धर्म के लोग सोशल मीडिया पर जश्न मनाते हैं। अब विश्व की प्राचीनतम और अति वैज्ञानिक संस्कृत भाषा को भी सांप्रदायिकता के चश्मे से देखा जाने लगा है। आपको याद होगा कि केन्द्रीय विद्यालयों में सुबह होने वाली प्रार्थना पर भी कुछ दिन पहले निशाना साधा गया। कहा गया कि यह धर्मनिरपेक्ष भारत में नहीं होनी चाहिए। देखिए कि कब केन्द्रीय विद्यालय के ध्येय वाक्य पर भी सवाल खड़े किए जाएंगे। इस प्रार्थना के विरोध में सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका भी दाखिल हो चुकी है। काश, याचिकाकर्ता को पता होता कि विश्व के बड़े इस्लामिक देश इंडोनेशिया की जलसेना का ध्येय वाक्य भी संस्कृत में है। जब उस इस्लामिक मुल्क को संस्कृत से परहेज नहीं है, तब भारत में संस्कृत की प्रार्थना पर बवाल किस कारण से खड़ा किया गया। भारत की आम जनता को अब इन तत्वों से सावधान रहना होगा, जो मुसलमानों में डर का भाव पैदा रखना चाहते हैं और अपना राजनीतिक स्वार्थ साधना चाहते हैं, चाहे देश की सुख–शांति भाड़ में जाये ।(लेखक वरिष्ठ संपादक, स्तभकार और पूर्व सांसद हैं।)

आज का राशिफल

मेष :– निकट संबंधों में पारदर्शी व कर्त्तव्यनिष्ठ बने। सगे–संबंधियों के अनुकूल नैतिक मर्यादा का पालन करें। नाजुक संबंधों में छोटी–छोटी बातों का बुरा न माने। परिवार मे किसी सदस्य की अस्वस्थता संभव।

बृषभ :– संघर्ष के इन दिनों में धैर्य और हिम्मत से काम लें। मन को सकारात्मक दिशा की ओर केंद्रित करें। परिजनों के सुख–दुख से प्रभावित मन परिवार को एकजुट रखने में केंद्रित होगा। आलस्य कतई न करें।

मिथुन :– आकस्मिक ढ़ेर सारे तनाव मन पर प्रभावी होंगे। निराशावादी विचारों को त्याग आशावादी बने। नाजुक संबंधों में भावनात्मक कष्टों को भूल वर्तमान को बेहतर बनाने का प्रयास करें।

कर्क :– भविष्य संबंधित योजनाएं मन पर प्रभावी होंगी। मन सुंदर विचारों से प्रभावित रहेगा। धार्मिक व पारंपरिक कायरे की ओर मन केंद्रित होगा। नये कायरें में संलग्नता से लाभ संभव। आलस्य कतई न करें।

सिंह :– अपने सुख–दुख छोड़ परिजनों के सुख के बारे में सोचें। सामान्य दिनर्चया के साथ बीत रहे जीवन में उत्साह का अभाव रहेगा। नयी आकांक्षाएं मन को उद्वेलित करेंगी। पुराने संबंधों में प्रगाढ़ता बढ़ेगी।

कन्या :– आर्थिक क्षेत्र में आप कुछ नई योजनाओं को सार्थक करेंगे। कोई व्यक्तिगत संबंध परिवार में विवाद का कारण बन सकता है। प्रणय संबंधों को लेकर मन में चिंता रहेगी। घर में खुशहाली रहेगी।

तुला :– मन प्रसन्न व उत्साहित रहेगा। प्रियजनों का सानिध्य ऊंची प्रगति के लिए प्रेरित करेगा। महत्वपूर्ण कार्य सार्थक होने का योग है। नौकरी का वातावरण सुखद होगा। शिक्षा–प्रतियोगिता में परिश्रम तीव्र होगा।

वृश्चिक :– किसी अचल सम्पत्ति को लेने की योजना बन सकती है। कार्यक्षेत्र के किसी सहकर्मी से मतभेद संभव। मन नयी धनागम की युक्तियों पर केंद्रित होगा। जीवन साथी का भावनात्मक स्नेह प्राप्त होगा।

धनु :– मधुरवाणी से संबंधों को प्रभाढ़ बनाएंगे। जीविका क्षेत्र में लाभ के अच्छे अवसर प्राप्त होंगे। पारिवारिक दायित्वों की समय से पूर्ति हेतु प्रयत्नशील होंगे। जीवन साथी के साथ मधुरता कायम रखें।

मकर :– पूर्वाग्रहवश मन में किसी प्रकार की शंका न पालें। गलतियों को स्वीकारते हुए सगे–संबंधों में क्षमायाचक बने और शांत भाव से उसका प्राश्चित भी करें।

कुम्भ :– पुरानी गलतियों से सीख लेते हुए वर्तमान को सुधारें। परिवार को कुशलता से चलाने में आपका विशेष योगदान होगा। किसी संबंध को लेकर पूरे परिवार के विरोध का सामना करना पड़ेगा।

मीन :– मन ढ़ेर सारे पूर्वाग्रहों से प्रभावित रहेगा। पुरानी बातों कों भूल वर्तमान के साथ समझौता करें। मन पर नियन्तण्रख कर्त्तव्यनिष्ठ बने।

आपदा में सहकार

आज हमारा देश कोरोना महामारी की भयावह चपेट में है. गंभीर रूप से संक्रमितों लोगों के उपचार के लिए जरूरी दवाओं, चिकित्सा वस्तुओं और ऑक्सीजन की कमी ने स्वास्थ्य प्रणाली को बेहाल कर दिया है. हालांकि इन चीजों की उपलब्धता बढ़ाने के लिए एक ओर जहां देश में उत्पादन में बढ़ोतरी की जा रही है, वहीं अन्य देशों से भी मदद ली जा रही है. इस विकट परिस्थिति की गंभीरता का अनुमान इस तथ्य से लगाया जा सकता है कि देश को दुनिया से मदद मांगने की नौबत 16 सालों के बाद आयी है. दिसंबर, 2004 की सुनामी के दौरान तत्कालीन प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह ने कहा था कि इस आपदा का सामना करने में भारत सक्षम है और अगर आवश्यकता हुई, तो हम अंतरराष्ट्रीय समुदाय से सहायता मांगेंगे. यह महज एक बयान नहीं था, भारत की नीति में बड़े बदलाव की घोषणा थी. उससे पहले भूकंपों, चक्रवातों, बाढ़ आदि में विदेशों की मदद को भारत ने स्वीकारा था, लेकिन 2004 के आखिर से यह सिलसिला बंद हो गया. दुनिया के कई देशों ने बाद की प्राकृतिक आपदाओं के समय सहायता का प्रस्ताव किया था, पर भारत ने उन प्रस्तावों को विनम्रता के साथ अस्वीकार कर दिया था. लेकिन महामारी की दूसरी लहर का हमला बहुत बड़ा है और बड़ी संख्या में लोगों की जान बचाने की चुनौती है. ऐसे में भारत ने चीन समेत कई देशों से जरूरी चीजों की आमद को हरी झंडी दे दी है. दक्षिण एशिया के अनेक पड़ोसी देशों समेत 20 से अधिक राष्ट्र भारत की मदद के लिए आगे आये हैं. कुछ समय बाद अमेरिका से टीकों की खेप आने की संभावना है. इस संबंध में यह जरूर रेखांकित किया जाना चाहिए कि भारत ने दशकों से दुनिया के कई देशों, खासकर एशिया, अफ्रीका और दक्षिण अमेरिका के देशों, को हर संभव सहायता दी है. अभी इस कोरोना काल में ही अनेक देशों को दवा, खाद्य पदार्थ और वैक्सीन की आपूर्ति भारत ने की है. संयुक्त राष्ट्र समेत विभिन्न वैश्विक संस्थाओं में सामूहिक पहलों में भी भारत बढ़–चढ़कर हिस्सा लेता रहा है. ऐसे में आज हमें इस संकट की घड़ी में बाहर से मदद लेने में कोई गुरेज नहीं होना चाहिए. अमेरिका और चीन हमारे सबसे बड़े व्यापारिक भागीदार हैं. अमेरिका के साथ भारत के द्विपक्षीय संबंधों में बीते एक–डेढ़ दशक में सहकार तेजी से बढ़ा है. ऐसे में वैक्सीन के लिए कच्चा माल और अधिशेष वैक्सीन मांगने में संकोच करना बेमतलब है. एक साल से चीन की आक्रामकता के कारण भारत क्षुब्ध है, लेकिन इसके बावजूद भारत ने आर्थिक मामलों में बदले की भावना से काम नहीं लिया है. पड़ोसी से ऐसे समय सहयोग लेना उचित है. रूस हमारा बहुत पुराना मित्र राष्ट्र है. यूरोपीय देशों से सहकार निरंतर प्रगाढ़ हो रहा है. ऐसा ही अरब देशों के साथ है. विश्व समुदाय परस्पर सहयोग से ही वैश्विक समस्याओं का समाधान कर सकता है।

मानवीय संवेदनाओं के छीजने की टीस

जिस कोरोना संकट को लेकर देश बेफिक्र हो गया था, उसने ज्यादा ताकत से पलटवार करके सारी व्यवस्थाओं को ध्वस्त कर दिया है। पहले से लचर चिकित्सा व्यवस्था चरमरा कर रह गई है। अस्पतालों में बेड, दवाइयां और वेंटिलेटर नहीं हैं। एक तो नई महामारी का कोई कारगर इलाज नहीं है, दूसरा इस बीमारी में काम आने वाली तमाम जरूरी दवाइयां बाजार से गायब हो गई हैं। देश के लाखों लोग कातर निगाहों से शासन–प्रशासन की ओर देख रहे हैं कि कोई तो राह निकले। सरकार का व्यवस्था पर नियंत्रण कमजोर होता दिख रहा है। हमारे पास न तो पर्याप्त मेडिकल ऑक्सीजन की उपलब्धता है और न ही उपलब्ध ऑक्सीजन को अस्पतालों तक पहुंचाने की कारगर व्यवस्था। इस महामारी में किसी हद तक शुरुआती दौर के उपचार में कारगर बताये जा रहे रेमडेसिविर इंजेक्शन के नाम पर भारी कालाबाजारी की जा रही है। जीवन के संकट से जूझ रहे मरीजों से इनके मुंहमांगे दाम वसूले जा रहे हैं। मरीजों से पचास हजार से लेकर एक लाख तक की कीमत वसूले जाने की शिकायतें मिल रही हैं। देश में दवाइयों और इंजेक्शनों के तमाम जमाखोर सक्रिय हो गये हैं। इस जमाखोरी पर रोक लगाने की कोशिशें सफल होती नजर नहीं आ रही हैं। संकट में पड़े अपनों का जीवन बचाने के लिये लोग कुछ भी करने को तैयार हो जाते हैं। इसी आतुरता का फायदा उठाने के लिये आपदा में अवसर ढूंढ़ने वाले मनमाने दाम वसूल रहे हैं। हद तो तब हो गई जब कई जगह जीवनरक्षक इंजेक्शनों की जगह नकली इंजेक्शन तैयार करने की खबरें आ रही हैं। इस मामले में कुछ गिरफ्तारियां भी हुई हैं। कालाबाजारी के इस गोरखधंधों में कुछ दवा निर्माताओं और डॉक्टरों तक की गिरफ्तारी हुई हैं। लेकिन इस कालाबाजारी पर पूरी तरह रोक लगाने की कोशिशें सफल होती नजर नहीं आती। ऐसा नहीं हो सकता कि ऐसी कालाबाजारी पर नियंत्रण करने वाले विभागों व पुलिस को इंसानियत के ऐसे दुश्मनों की कारगुजारियों की भनक न हो। मगर, समय रहते ठोस कार्रवाई होती नजर नहीं आती। विडंबना देखिये कि दिल्ली में ऑक्सीजन सिलेंडर खरीदने गये एक मरीज को कुछ लोगों ने अग्निशमन में काम आने वाले सिलेंडर बेच दिए। महिला की शिकायत के बाद दो युवकों की गिरफ्तारी हुई। कुछ इंसान चंद रुपयों के लालच में किस हद तक गिर जाते हैं कि संकट में फंसे लोगों के जीवन से खिलवाड़ पर उतारू हो जाते हैं। जाहिर–सी बात है कि महामारी का जो विकराल रूप हमारे सामने है, उसमें ऑक्सीजन और दवाओं की किल्लत स्वाभाविक है। यह पहली बार है कि मरीजों को जीवनदायिनी मेडिकल ऑक्सीजन की जरूरत इतनी बड़ी मात्रा पर हुई हो। दरअसल, मांग व आपूर्ति के संतुलन से चीजों की उपलब्धता होती है।

विकसित महसूस करने के दिन

संतोष उत्सुक

अब हमारी उपजाऊ सामाजिक मिटटी में रहकर कोरोनाजी की बाहरी कंटीली परत ज़्यादा मजबूत हो गई है। मोटी चमड़ी वाले हमारे खास लोगों की तरह, जिन पर किसी भी रोने और खोने का असर नहीं होता। अब तो सम्मान की बात गई है कि बात गलत ही करें और उसके ठीक बोलने का ढोल पीटें। कोरोना की जानदार वापसी के बीच बेशक शमशान में जलने के लिए लाइन लगी है, लेकिन चाइनीज मान लिए गए कोरोनाजी का भारतीय वैरियंट भी मैदान में आ गया है। अपना वैरियंट न होने से पिछड़ा हुआ सा लग रहा था। इस मामले में हम अपने पूर्व शासक ब्रिटेन वालों के मुकाबिल आ गए हैं । अमेरिका जैसे देश में बंदे भारतीय वैरियंट की गिरफ्त में हैं । उसके लिए भारतीय वैरियंट से कुश्ती लड़ना ज़्यादा दिलचस्प रहा होगा क्यूंकि यह वैरियंट स्ट्रेन डबल म्यूटेट है। रहस्यात्मक यह है कि इसके दो रूप बताए जाते हैं। अब यह तो पता नहीं कि दोनों रूप नर हैं या एक मादा, लेकिन मुझे विशवास नहीं अंधविश्वास है कि इसने अपने नए रंग रूप, विश्वगुरुओं की उपजाऊ जमीन के खिलाड़ी गिरगिटों से, छवि बदल सकने की महीन प्रेरणा लेकर, दो नहीं कई रूप विकसित कर लिए होंगे और जानबूझकर अभी पता दो का ही बता रहा होगा। कुछ भी हो, आगे आना, आगे बढ़ना, आगे निकलना और पहले स्थान पर आना तो विकास ही है । ऐसा करने के लिए बहुत मेहनत लगती है। सबसे खतरनाक वैरियंट ब्रिटेन का माना जाना स्वाभाविक है। ऐसा तो होना ही था, किसी जमाने में उन्होंने आधी दुनिया पर यूं ही राज नहीं किया। असर तो बाकी रहता ही है। फिर यह भी कहा जा रहा है कि अगर प्रतिस्पर्द्धा हो तो भारतीय वैरियंट वर्तमान से ज़्यादा खतरनाक व संक्रामक हो सकता है। यहां यह सवाल लाजमी है कि इसने किस कोचिंग सेंटर में तीखा होना सीखा। अभी तक अपने खतरनाक वार के दो पैंतरे ही दिखाकर बता दिया कि उसकी शैली में कुश्तियाना अनुभव है जिसमें चालाक पहलवान दांव दिखाता कोई और है और वास्तव में कोई और दांव लगाकर कुश्ती जीतने की कोशिश करता है और कितनी बार जीत भी जाता है। देश के अखाड़े में चल रही कुश्ती तो यही दिखाती है। यह एक उपलब्धि ही है, चाहे आधे से ज्यादा लोगों ने मास्क नहीं लगाए, शारीरिक दूरी को सामाजिक दूरी कहते हुए थके नहीं लेकिन कोरोनाजी का भारतीय वैरियंट तो उगा ही दिया। दुनिया को दिखा दिया कि हमने दुनिया के सबसे रहस्यमय कीटाणु को अपने रंग में रंग दिया है और अब इसके प्रमाण भी मिलने शुरू हो गए हैं। यह हमारी हृदय विशालता का संक्रमण फैलाता नमूना है। अब हमारी उपजाऊ सामाजिक मिटटी में रहकर कोरोनाजी की बाहरी कंटीली परत ज़्यादा मजबूत हो गई है। मोटी चमड़ी वाले हमारे खास लोगों की तरह, जिन पर किसी भी रोने और खोने का असर नहीं होता। अब तो सम्मान की बात गई है कि बात गलत ही करें और उसके ठीक बोलने का ढोल पीटें। अंधविश्वास को दवाई समझ लेना देशभक्ति घोषित कर दिया गया है।

करीना कपूर ने अनुष्का शर्मा की खास फोटो शेयर कर दी जन्मदिन की बधाई, देखिए

बॉलीवुड अभिनेत्री अनुष्का शर्मा के 33वां जन्मदिन पर एक्ट्रेस करीना कपूर ने उन्हें एक स्पेशल फोटो के साथ उन्हें बर्थडे विश किया है। करीना द्वारा शेयर की अनुष्का की फोटो देखकर आपको उनकी शादी के दिनों की याद आ जाएगी। सोशल मीडिया पर करीना का पोस्ट और अनुष्का की फोटो वायरल हो रही है। फैंस इसे खूब पसंद कर रहे हैं। दरअसल, करीना कपूर ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम स्टोरी से अनुष्का की शादी की फोटो की है। फोटो में अनुष्का का ब्राइडल लुक दिख रहा है। वह हंसते हुए पोज दे रही हैं। मदरहुड को सेलिब्रेट हैं करीना–अनुष्का आपको बता दें कि अनुष्का शर्मा और करीना कपूर इन दिनों अपने मदरहुड को सेलिब्रेट कर रही हैं। अनुष्का ने जहां 11 जनवरी को अपने घर बेटी वामिका का स्वागत किया,वहीं करीना ने 21 फरवरी को अपने दूसरे बेटे का दुनिया में स्वागत किया है। हालांकि करीना के बेटे का नाम अभी तक सामने नहीं आया है। जॉनी लीवर की बेटी जेमी लीवर की कलाई पर लगे गहरे घाव, तस्वीर शेयर कर कहा– श्अरे बाबा सुसाइड...श वायरल हो रहा है अनुष्का का थ्रो बैक वीडियो गौरतलब है कि इन दिनों सोशल मीडिया पर अनुष्का के एक वीडियो की काफी चर्चा हो रही है। अनुष्का की यह थ्रो बैक वीडियो है। इस वायरल वीडियो में अनुष्का शर्मा करीना कपूर– आमिर खान की फिल्म श्3 इडियट्सश की ऑडिशन देती नजर आ रही हैं। वीडियो में वह फिल्म मुन्नाभाई एमबीबीएस का एक डायलॉग बोलती नजर आ रही हैं, जो ग्रेसी सिंह ने बोला था। श्3 इडियट्सश का ऑडिशन देने के बाद भी अनुष्का इस फिल्म का हिस्सा नहीं बन पाईं थी और यह फिल्म करीना कपूर के झोली में चली गई।

कोरोना से लड़ाई में फरहान अख्तर की कंपनी ने बढ़ाया मदद का हाथ, कहा– `हर रुपया मायने रखता है'

कोरोना वायरस की दूसरी लहर ने देश में मुश्किल हालात पैदा कर दिए हैं। संक्रमितों की संख्या चार लाख के पार हो गई। ऐसे वक्त में बॉलीवुड के कई सितीरों ने मदद का हाथ बढ़ाया है। इसी कड़ी में अभिनेता फरहान अख्तर ने सोशल मीडिया पर एलान किया कि उनकी कंपनी एक्सेल एंटरटेनमेंट जरूरतमंद मरीजों को सुविधाएं प्रदान करेगी। इसके लिए वो कई एनजीओ के साथ मिलकर काम करेंगे। फरहान अख्तर ने एनजीओ की लिस्ट जारी की है जो लोगों को ऑक्सीजन सिलेंडर्स से लेकर एम्बुलेंस और भोजन मुहैया करवा रही हैं। प्रेरित करने के लिए किया ट्वीट फरहान अख्तर ने ट्वीट कर लिखा– 'कोविड 19 से लड़ाई के लिए उन ऑर्गेनाइजेशन की लिस्ट शेयर की है जिन्हें एक्सेल मूवीज ने दान किया है। ऑक्सीजन, एम्बुलेंस से लेकर भोजन तक। जमीनी स्तर पर वो कमाल का काम कर रहे हैं। यह आपको प्रेरित करने के लिए है। हर रुपया मायने रखता है। जय हिंद।' फरहान अख्तर स्टारर तूफान का इंतजार लंबे वक्त से दर्शक कर रहे हैं। फिल्म पहले सिनेमाघर में रिलीज होने वाली थी, लेकिन कोविड के चक्कर में थिएटर्स तक दर्शक नहीं पहुंच पा रहे हैं, ऐसे में फिल्म अब ओटीटी पर रिलीज होगी। राकेश ओमप्रकाश मेहरा निर्देशित फिल्म में परेश रावल एक कोच की भूमिका में दिखेंगे।

मेंटल हेल्थ के लिए फिर आगे आई दीपिका पादुकोण, शेयर कीं हेल्पलाइन्स

बॉलीवुड एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण बीते लंबे वक्त से मेंटल हेल्थ के लिए काम कर रही हैं। दीपिका पादुकोण शलिव लव लाफ फाउंडेशनश की संस्थापक भी हैं। वहीं कोविड काल में एक ओर जहां कोरोना वायरस का संक्रमण बढ़ रहा है तो वहीं दूसरी ओर मेंटल हेल्थ की समस्याएं भी बढ़ रही हैं। ऐसे में अब दीपिका ने मेंटल हेल्थ हेल्पलाइन्स शेयर की हैं। मेंटल हेल्थ के लिए दीपिका का पोस्ट दीपिका पादुकोण ने इंस्टाग्राम पर कुछ देर पहले एक पोस्ट किया है। अपने पोस्ट में दीपिका पादुकोण ने वेरीफाइड मेंटल हेल्थ हेल्पलाइन्स शेयर किए हैं। दीपिका के पोस्ट में फोन नंबर और ईमेल आईडी भी दिए गए हैं। दीपिका के इस पोस्ट को फैन्स काफी पसंद कर रहे हैं और कमेंट करते हुए अपना प्यार जाहिर कर रहे हैं। क्या है पोस्ट का कैप्शन दीपिका पादुकोण ने पोस्ट के कैप्शन में लिखा, श्मैं और मेरी फैमिली को मिलाकर मिलियन्स में लोग बचे रहने के प्रयास में हैं, ऐसे में याद रखें कि इस मुश्किल वक्त में हमारा इमोशनल वेल बीइंग भी बेहद जरूरी है। ध्यान रखें, आप अकेले नहीं हो। हम सब एक साथ हैं, और सबसे जरूरी उम्मीद भी है। फैन्स का रिएक्शन बता दें कि दीपिका के इस पोस्ट पर करीब एक घंटे में ही दो लाख से अधिक लाइक्स आ चुके हैं। वहीं हजारों फैन्स कमेंट करते हुए दीपिका के इस कदम की तारीफ कर रहे हैं। दीपिका पादुकोण के कई फैन्स कमेंट सेक्शन में लिख रहे हैं कि इस मुश्किल वक्त में मेंटल हेल्थ का ध्यान रखना भी बेहद जरूरी है और दीपिका का ये कदम काफी महत्वपूर्ण है। दीपिका के अपकमिंग प्रोजेक्ट्स बात दीपिका पादुकोण के अपकमिंग प्रोजेक्ट्स की करें तो वो जल्दी ही ऋतिक रोशन के साथ फिल्म फाइटर में नजर आएंगी। ऋतिक रोशन के अलावा दीपिका पादुकोण की जोड़ी शाहरुख खान के साथ फिल्म पठान में भी बनेगी। पठान में शाहरुख और दीपिका के साथ जॉन अब्राहम भी नजर आएंगे। फाइटर और पठान के अलावा दीपिका के खाते में द इंटर्न और 83 भी शुमार है। याद दिला दें कि द इंटर्न में अमिताभ बच्चन भी नजर आएंगे।

शमा सिकंदर ने इन तस्वीरों से इंटरनेट पर लगाया बोल्डनेस का तड़का

शमा सिकंदर टीवी की जानी मानी अभिनेत्री हैं। सोशल मीडिया पर वो अपनी बोल्ड तस्वीरें शेयर करती रहती हैं। एक बार फिर से शमा ने अपनी हॉट अदाएं दिखाई हैं। जिसमें वो बेहद खूबसूरत लग रही हैं। चलिए नजर डालते हैं उनकी कुछ ऐसी ही तस्वीरों पर।

चिलचिलाती गर्मी में शिशु को हीट रैशेज से बचाएंगे ये घरेलू नुस्खे

गर्मियों में नवजात और बच्चों को भी स्किन संबंधी बहुत सी परेशानियां होती है। तेज धूप के संपर्क में आने से पसीना, घमौरियां व हीट रैशेज होने की समस्या होती है। खासतौर पर बच्चे डिहाइड्रेशन और हीट रैशेज की समस्या से जुझते हैं। यह परेशानी उन्हें गर्दन, बगल आदि के पास होती है। ऐसे में आज हम आपको कुछ घरेलू उपाय बताते हैं, जिसकी मदद से आप अपने बच्चे को इस समस्या से बचा सकते हैं।

ऐसे और समय बच्चे को नहलाएं

. बच्चे को सुबह व शाम नहलाएं।

. नहलाने के लिए ठंडा पानी यूज करें।

. बच्चे के बाहर से खेलकर आने के बाद नहलाना जरूरी।

. नवजात शिशु को बार–बार नहलाने की जगह पर ठंडे पानी में कपड़ा या तौलिया भिगोकर रैशेज वाले हिस्स्से की सफाई करें।

ऐसे करें बच्चे की केयर

. बच्चे को प्रिकली हीट बेबी पाउडर लगाएं। यह आपको बाजार में आसानी से मिल जाएगा।

. बच्चे को गोल व वी गले के कॉटन के कपड़े ही पहनाएं। शिशु को कॉलर वाले कपड़े पहनाने से बचें।

हीट रैशेज में अपनाएं ये घरेलू नुस्खे

. पहले शिशु को रैशेज वाली जगह पर बर्फ से ठंडी सिकाई करें। उसके बाद इसे सूखाकर पाउडर लगाएं।

. रैशेज वाले हिस्से पर तेल मसाज करें। असल में ज्यादा पसीना आने से ग्रंथियां बंद होने का खतरा रहता है।

. रैशेज वाले हिस्से पर एलोवेरा जेल से मसाज करें।

. प्रभावित हिस्से पर चंदन का पेस्ट लगाएं।

. बच्चे को डिहाइड्रेशन से बचाने के लिए नारियल पानी, जूस, नींबू पानी आदि तरल चीजों का ज्यादा से ज्यादा पिलाएं।

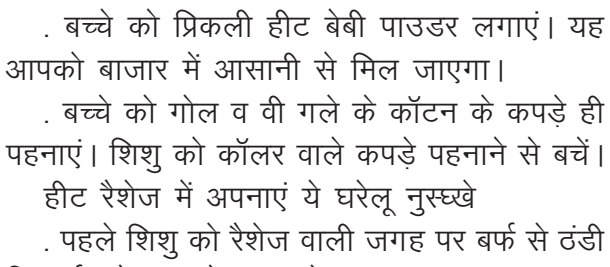

गर्मी में बनाकर पीएं ठंडी–ठंडी Gulab रेंस्प, सेहत को भी मिलेंगे कई फायदे

गर्मियों में प्यास बुझाने के लिए लोग कोल्ड ड्रिंक तो कुछ लस्सी, नींबू पानी, जूस, छाछ आदि पीते हैं। मगर, हम आपके लिए गुलाब की लस्सी की रेसिपी लेकर आए हैं, जो आपकी सेहत को बरकरार रखेगी। स्वाद की बात करें तो पोष्क तत्वों से भरपूर यह लस्सी स्वाद में भी सभी ड्रिंक्स को पीछे छोड़ देती है। घ्गुलाब की लस्सी वजन घटाने से लेकर पाचन को सही रखने में मदद करती है। चलिए हम आपको बताते हैं इस बनाने की विधि और इसके जबरदस्त फायदे...

इसके लिए आपको चाहिए...

– ठंडा पानी

– आधा गिलास या एक कटोरी गाढ़ी दही

– स्वादानुसार चीनी

– गुलाब सिरप

– गुलाब की कुछ ताजा पत्तियां

– आईस क्यूब

गुलाब की लस्सी बनाने की विधिरू

1. सबसे पहले चीनी और दही को अच्छी तरह फेंट लें। फिर इसमें हल्का ठंडा पानी और आईस क्यूब मिक्स करें।

2. अब इसमें स्वादानुसार गुलाब सिरप डालकर अच्छी तरह फेंटे।

3. फिर इसके ऊपर गुलाब की पंखुड़ियां डालकर गार्निश करें। लीजिए आपकी गुलाब की लस्सी बनकर तैयार है।

चलिए अब आपको बताते हैं कि गुलाब की लस्सी पीने से आपको क्या–क्या फायदे मिलेंगे।

बेहतर पाचन क्रिया

गुलाब की लस्सी पाचन क्रिया को दुरुस्त रखने में मदद करती है, जिससे अपच, कब्ज, एसिडिटी, पेट जैसी समस्याएं दूर रहती है। साथ ही यह आंतों को स्वस्थ रखने में मददगार हैं।

वजन घटाए

चूंकि इसमें कैलोरी और फैट की मात्रा काफी कम होती है इसलिए इसके सेवन वजन घटाने में मदद करता है। साथ ही इसके एनर्जी, प्रोटीन, फाइबर, कार्ब्स और थियामिन जैसे पोषक तत्व मेटाबॉलिज्म बढ़ाकर वजन घटाने में मदद करते हैं।

डिहाइड्रेशन दूर करे

शरीर में पानी की कमी होने से ब्लड प्रैशर घट जाता है लेकिन गुलाब की लस्सी बॉडी को हाइड्रेट रखने में काफी मददगार है। दही और छाछ में 80 से 85: पानी होता है।

मजबूत इम्यून सिस्टम

इसमें लैक्टिक एसिड होता है जो इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाने में मदद करता है। इससे आप बैक्टीरियल इंफेक्शन से बचे रहते हैं। यह पेट की सफाई में भी फायदेमंद है।

ग्लोइंग स्किन

गुलाब की लस्सी स्किन को हाइड्रेट रखने के साथ ब्लड सर्कुलेशन भी बढ़ाती है, जिससे दाग–धब्बे, मुहांसे जैसी समस्या दूर होती है।

मजबूत हड्डियां

इसमें कैल्शियम, जिंक, पोटेशियम, फास्फोरस, प्रोटीन जैसे तत्व होते हैं, जो हड्डियों व मांसपेशियों को मजबूत बनाने में मदद करते हैं। जिम जाने वालों को खासतौर पर गुलाब की लस्सी पीने की सलाह दी जाती है।

खुशहाल और कामयाब शादी की सीक्रेट रेसिपी

एक महिला या पुरूष के लिए कामयाब जिंदगी का सही मायनें एक खुशहाल शादी होती है। अगर आपकों जीवन में सही पार्टनर मिल जाए तो जिंदगी की गाड़ी बड़े ही आराम से सफर तय कर लेती है। लेकिन अगर गलती से आपका पार्टनर ६ ॊखेबाज, शराबी, जुआरी नशेड़ी मिल जाएं तो यह गाड़ी ज्यादा देर तक पटरी पर नहीं टिक पाती, अंत में सफर खत्म हो जाता है।

हम अपने जीवन में इससे जुड़े कई उदाहरण देखते हैं जिसमें कई कप्पल में इतना प्यार, विश्वास और मान सम्मना होता है कि हर कोई ऐसी जिंदगी की मानोंकामना करता है। लेकिन अगर दूसरी तरफ हम उन कप्पल को देखें जो आए दिन घर में लड़ाई, झगड़ा, कलह क्लेश करते हैं उनसे भी हमें कई बार डर लगता है कि कहीं आने वाली लाइफ हमारी ऐसी तो नहीं होगी।

आज हम आपकों खुशहाल और कामयाब शादी को लेकर कुछ ऐसे टिप्स बताने जा रहें जिन्हें हर महिला और पुरूष को फॉलो करना चाहिए, तो आईए जानते हैं इसके बारे में–

–खुशहाल शादी के पीछे का सिक्रेट है श्सॉरीश यानि कि सबसे पहले कौन सॉरी बोलेगा, गलती किसी की भी हो इगों को भूल कर झट से पार्टनर को सॉरी बोल दें।

– गुस्से में पार्टनर कुछ भी कहें उसे नजरअंदाज कर दें। श्वोश जो भी कहे, उसे मान लो और उसकी बात सुन लो।

– दिन में अपने पार्टनर के साथ एक बार का खाना जरूर साथ खाओ।

– बाहर कहीं भी आउटिंग के लिए निकलों तो एक–दूसरे का हाथ थाम कर चलो।

– हमेशा साथ रहने का प्रॉमिस करो।

आयुर्वेद के ये 10 गोल्डेन रूल रखेंगे याद तो कभी नहीं पड़ेंगे बीमार

भला स्वस्थ कौन नहीं रहना चाहता लेकिन दिन ब दिन बिगड़ता लाइफस्टाइल व्यक्ति को बीमारियों का घर बना रहा है। हालांकि खराब आदतें छोड़ना इतना आसान नहीं होता जितना कुछ नई आदतों को अपनाना। जी हां, अपनी कुछ आदतों में

बदलाव करके आप ना सिर्फ स्वस्थ बल्कि बीमारी मुक्त भी रह सकते हैं। चलिए हम आपको आयुर्वेद के कुछ ऐसे छोटे–छोटे टिप्स बताते हैं, जिन्हें दिनभर फॉलो करके आप कई बीमारियों से बच सकते हैं।

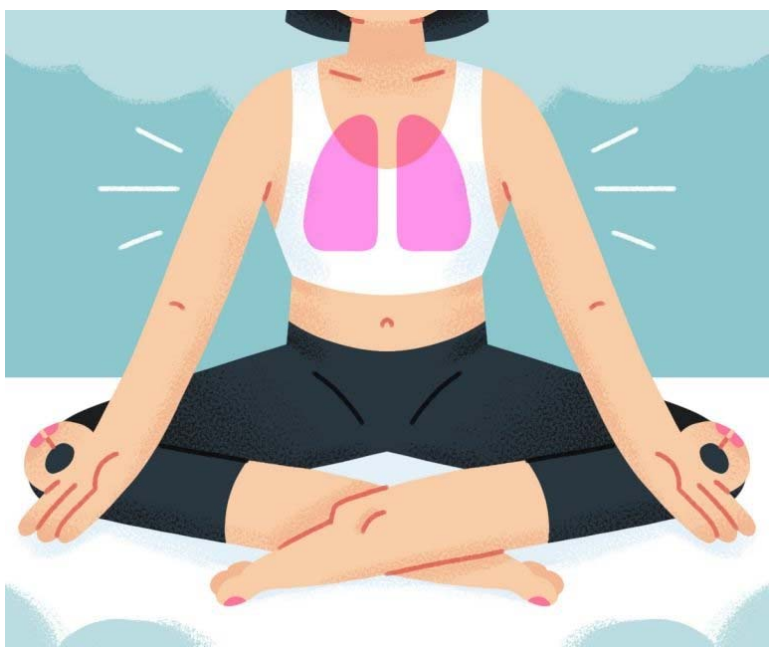

सांस लेने का तरीका हो सही

आयुर्वेद के अनुसार, लंग्स को अच्छी तरह फुलाकर सांस लेनी चाहिए। इससे लंग्स हेल्दी रहते हैं और शरीर को पर्याप्त ऑक्सीजन भी मिलती है, जिससे आप स्वस्थ भी रहते हैं।

भोजन से पहले व बाद में सैर

नाश्ते से पहले और लंच व डिनर के बाद कम से कम 500 कदम चलें। इससे पाचन सही रहेगा और खाना भी पच जाएगा। साथ ही इससे पेट की समस्याएं भी नहीं होगी।

ब्रेकफास्ट सबसे जरूरी मील

ब्रेकफास्ट दिन का सबसे जरूरी भोजन है क्योंकि इससे मेटाबॉलिज्म स्टार्ट होता है। 7 से 9 बजे के बीच ही नाश्ता कर लें। साथ ही नाश्ते में ऐसी चीजें शामिल करें, जिससे आपको दिनभर एनर्जी मिले।

सुबह 2 गिलास पानी

सुबह खाली पेट 2 गिलास गुनगुना या नॉर्मल पानी पीएं। आप इसमें शहद व नींबू भी मिला सकते हैं। साथ ही खाली पेट चाय, कैफीन या खट्टी चीजें खाने से बचें। इससे एसिडिटी, उल्टी, जी मचलाना, बैली फैट बढ़ सकता हैं।

पानी पीने का सही तरीका

दिन में कम से कम 9–10 गिलास पानी पीएं लेकिन सिप–सिप करके। खड़े होकर या चलते हुए पानी ना पीएं। अगर गर्मियों में पानी का स्वाद नहीं आता तो आप नींबू पानी, शरबत, नारियल पानी, जूस, स्मूदी आदि पी सकते हैं।

1 एक कटोरी फल या सलाद

दिनभर स्वस्थ भोजन लेने के साथ यह भी जरूरी है कि आप रोजाना 1 कटोरी फल व सलाद जरूर खाएं। इससे शरीर को जरूरी न्यूट्रीशन व पोष्टिक तत्व मिलेंगे और शरीर का तापमान भी सही रहेगा।

भोजन के तुंरत बाद पानी पीना

भोजन के तुरंत बाद पानी पीने से पाचन क्रिया धीमी हो जाती

है इसलिए आधा घंटा पहले या बाद में ही पानी पीएं। इसके अलावा भोजन के बाद स्नान भी नहीं करना चाहिए।

अच्छी नींद

रोजाना कम से कम 8–9 घंटे की नींद लेना हर किसी के लिए जरूरी है। इससे आप दिनभर ज्यादा फ्रैश और तरोताजा महसूस करते है।

स्नान से पहले करें तेल मालिश

कोशिश करें कि रोजाना स्नान करने से 10 मिनट पहले सरसों तेल से पूरे शरीर पर मालिश करें। इससे त्वचा की कोशिकाएं साफ व ताजा रहती हैं और स्किन ड्राई भी नहीं होती। साथ ही तेल मालिश से मांसपेशियों को मजबूत व लचीला बनाती है, जिससे जोड़ों के दर्द से राहत मिलती है।

योगासन और व्यायाम रोजाना कम से कम 30 मिनट योग, मेडिटेशन , प्राणायाम जरूर करें। योग एक ऐसी प्राचीन पद्धित है जो तन और मन को स्वस्थ रखने में मदद करती है। ऐसे में स्वस्थ रहने के लिए इसे अपनी रूटीन का हिस्सा बनाएं।

हिन्दी दैनिक

अमिट रेखा

7

कुशीनगर सोमवार, 03 मई 2021

काबुल में ईंधन के टैंकरों में लगी जबरदस्त आग, कम से कम 10 घायल

काबुल। अफगानिस्तान की राजधानी में शनिवार देर रात उत्तरी छोर पर ईंधन के कई

टैंकरों में आग लगने से कम से कम 10 लोग घायल हो गए हैं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। यह तत्काल नहीं पता चल सका है कि आग दुर्घटनावश लगी या जानबूझकर लगाई गई है। यह घटना ऐसे समय में हुई है अमेरिका और नाटो के आखिरी बचे सैनिकों की देश से वापसी शुरू हो गई है जो अफगानिस्तान में अमेरिका के सबसे बड़े युद्ध को समाप्त कर देगा। सभी 2,500–3,500 अमेरिकी सैनिकों और करीब 7,000 नाटो संबद्ध बलों के 11 सितंबर तक अफगानिस्तान से वापस बुला लिया जाएगा।

यह वही दिन है जब अमेरिका में हुए 9:11 के आतंकवादी हमलों के कारण सैनिकों को अफगानिस्तान भेजा गया था। गृह मंत्रालय के प्रवक्ता तारिक अरियान ने कहा कि यह आग तब लगी ... जब चिंगारी से ईंधन के एक टैंकर में आग लग गई। इसके बाद पास के कई टैंकर आग की चपेट में आ गए जिसने भीषण रूप ले लिया। आग की इस घटना के वक्त दर्जनों टैंकर धीरे–धीरे काबुल की तरफ बढ़ रहे थे। वे रात नौ बजने का इंतजार कर रहे थे जब ईंधन के टैंकरों और अन्य बड़े ट्रकों को शहर में प्रवेश की अनुमति होती है। आग पर काबू पा लिया गया। तोड़–फोड़ के तत्काल साक्ष्य नहीं मिले हैं लेकिन अवन ने कहा कि जांच जारी है।

कोविशील्ड वैक्सीन बनाने वाली कंपनी सीरम के सीईओ अदार पूनावाला को मिली धमकियां, लेकिन कहा– जल्द लौटूंगा भारत

लंदन। सीरम इंस्टीट्यूट आफ इंडिया के सीईओ अदार पूनावाला को वैक्सीन आपूर्ति को लेकर धमकियां मिल रही हैं। धमकी भरे फोन से वह काफी व्यथित हैं। उन्होंने कहा कि वैक्सीन को लेकर पैसेवालों और ताकतवर लोगों के धमकी भरे फोन आ रहे हैं। यह बात उन्होंने दि टाइम्स को दिए एक साक्षात्कार में कही। साक्षात्कार शुक्रवार को प्रकाशित हुआ है।

पूनावाला ने कहा कि कई राज्यों के मुख्यमंत्री, उद्योग घरानों के प्रमुख और कई बडे लोगों के फोन आ रहे हैं। वे सब तुरंत वैक्सीन चाहते हैं। सबको पहले वैक्सीन चाहिए। वे यह समझते ही नहीं कि उनको दूसरों से पहले क्यों मिले। पूरा दबाव मेरे कंधों पर है। मैं अकेले सबकुछ नहीं कर सकता। मेरे ऊपर कितना दबाव है, मैं बता नहीं सकता। यह बेहद कष्टप्रद है। उम्मीद और आक्रामकता का स्तर असहनीय है। यह व्यथित करनेवाला है। धमकी भरे फोन और भारी दबाव के साथ–साथ हताशा की स्थिति से बचने के लिए ही वह अपनी पत्नी, बच्चे के साथ रहने लंदन आ गए हैं। भारतीय नागरिकों की यात्रा पर प्रतिबंध लगने के आठ दिन पहले ही वह ब्रिटेन पहुंच गए थे।

वैक्सीन आपूर्ति को लेकर धमकी भरे फोन के बावजूद सीरम इंस्टीट्यूट आफ इंडिया के सीईओ अदार पूनावाला अगले कुछ दिनों में भारत लौटेंगे। इसको लेकर उन्होंने एक ट्वीट कर जानकारी दी है। उन्होंने ट्वीट में लिखा– यू.के. में हमारे सभी भागीदारों और हितधारकों के साथ एक उत्कृष्ट बैठक हुई। इस बीच यह बताते हुए कि पुणे में कोविडशील का उत्पादन पूरे जोरों पर है। मैं कुछ दिनों में अपनी वापसी पर परिचालन की समीक्षा करने के लिए उत्सुक हूं।

अदार पूनावाला ने बताया कि मैं लंदन में तय समय से अधिक रक रहा हूं। मैं उस स्थिति में वापस नहीं जाना चाहता। आप अंदाजा नहीं लगा सकते कि बदले में वे क्या करेंगे। मुझे नहीं लगता कि भगवान को भी अंदाजा होगा कि हालात इतने खराब होने वाले हैं। मुनाफाखोरी के आरोप पर उन्होंने उसे पूरी तरह से गलत बताया और कहा कि कोविशील्ड अभी भी दुनिया की सबसे सस्ती वैक्सीन है। हमने कुछ भी गलत या मुनाफाखोरी नहीं की। मैं प्रतीक्षा करूंगा कि इतिहास हमारे साथ न्याय करे।

दुनिया में सबसे ज्यादा वैक्सीन बनाने वाली कंपनी सीरम मांग के अनुरूप आपूर्ति नहीं कर पा रही है। इसी को ध्यान में रखते हुए कंपनी देश के बाहर भी वैक्सीन बनाने की योजना बना रही है। पूनावाला ने बताया कि वैक्सीन की मांग ज्यादा है। हम उसे पूरा नहीं कर पा रहे हैं, इसलिए हम भारत के बाहर भी वैक्सीन उत्पादन की योजना पर काम कर रहे हैं। इस संबंध में हम अगले कुछ दिनों में घोषणा कर सकते हैं। उन्होंने संकेत दिए कि वह ब्रिटेन में उत्पादन शुरू कर सकते हैं।

भारत की कोरोना वायरस महामारी से निपटने के लिए दी जा रही मदद में तेजी की अपील

नयी दिल्ली। विश्व के कई देशों और प्रमुख कंपनियों ने कोविड–19 की दूसरी लहर से

जूझ रहे भारत को दी जानी वाली आपातकालीन सहायता संबंधी वस्तुओं के उत्पादन एवं आपूर्ति को गति प्रदान की है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने अपने प्रशासन को महामारी के इस संकट काल में भारत को हरसम्भव सहायता मुहैया कराने को कहा है। साथ ही आश्वासन दिया है कि अमेरिका भारत के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा रहेगा।

अमेरिकी सहायता के तहत डलास अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे से एक और विमान चिकित्सा सहायता सामग्री लेकर नयी दिल्ली रवाना हुआ है, जिसमें ऑक्सीजन सिलेंडर, एन–95 मास्क और टीके के उत्पादन में उपयोग होने वाली सामग्री शामिल है। इससे पहले शुक्रवार को चिकित्सा सामग्री एवं उपकरण लेकर दो विमान भारत पहुंचे थे। सिंगापुर ने भी शनिवार को तीन क्रायोजेनिक तरल ऑक्सीजन टैंकर भारत भेजे। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सिंगापुर के अपने समकक्ष को फोन कर सहायता के लिए आभार जताया। वहीं, भारत में चीनी राजदूत सुन वीडोंग ने कहा कि चीन ने भारत की तरफ से ऑर्डर किए गए 40,000 और ऑक्सीजन सांद्रक के उत्पादन एवं आपूर्ति को लेकर प्रयास तेज किए हैं।

उधर, प्रमुख अमेरिकी कंपनी वालमार्ट ने भारत को 20 ऑक्सीजन उत्पादन संयंत्र एवं 20 क्रायोजेनिक कंटेनर दान करने की घोषणा की है। साथ ही कंपनी ने महामारी से निपटने में सहायता के तौर पर गैर–सरकारी संगठनों को 20 लाख डॉलर की राशि प्रदान करने की बात भी कही है। इस बीच, रूस ने कोविड–19 की रोकथाम के मद्देनजर भारत के साथ सहयोग को विस्तार देने का आह्वान किया है। रूसी कोविड–19 टीके स्पूतनिक–वी की 1,50,000 खुराक की पहली खेप भारत पहुंचने के बीच शनिवार को रूस ने कहा कि महामारी की रोकथाम के वास्ते वह भारत के साथ द्विपक्षीय एवं पारस्परिक सहयोग को विस्तार देने को उत्सुक है। भारत में रूस के राजदूत निकोले कुदाशेव ने कहा कि वैश्विक टीकों में स्पूतनिक टीके की प्रभाव क्षमता उच्च है और यह टीका वायरस के नए स्वरूप के खिलाफ भी प्रभावी होगा।

उइगरों पर फर्जी डॉक्यूमेंट्री, अंतरराष्ट्रीय समुदाय को गुमराह करने की कोशिश में चीन

कजाकिस्तान। शिनजियांग प्रांत में उइगर मुस्लिमों को यातना दिए जाने की सच्चाई पूरी दुनिया में सामने आने के बाद अब चीन झूठ फैलाने की

कोशिश कर रहा है। उसने उइगरों पर एक डॉक्यूमेंट्री बनाकर यह फैलाने की कोशिश शुरू कर दी है कि शिनजियांग में सब कुछ ठीक है। उइगर वहां खुशहाल हैं।

चीन की इस वीडियो पर उइगर कार्यकर्ताओं ने कहा है कि यह झूठी वीडियो हैं। अपने ऊपर लगे कलंक को चीन ऐसी वीडियो से मिटा नहीं पाएगा। उइगर के अधिकारों के लिए लड़ने वाले फरंगिस नजीबुल्लाह ने कहा कि चीन अंतरराष्ट्रीय समुदाय को उइगरों के मामले में भटकाने का प्रयास कर रहा है। चीन ने शिनजियांग पर एक डॉक्यूमेंटरी श्द माउंटेंस– लाइफ ऑफ शिनजियांगश बनाई है। इसमें शिनजियांग के उइगरों के साक्षात्कार लिए हैं, जो कह रहे हैं कि वे यहां बहुत खुश हैं। इस डॉक्यूमेंटरी को कई भाषाओं में बनाने से चीन का मकसद साफ दिखाई दे रहा है कि वह वास्तविकता से अलग झूठा प्रचार कर अपनी छवि को साफ करने की कोशिश कर रहा है।

इंडियाना के सिख समुदाय ने फेडएक्स सामूहिक गोलीबारी के मृतकों को सम्मानित किया, 4 सिखों की गई थी जान

वाशिंगटन।अमेरिका के इंडियाना राज्य में सिखों ने पिछले महीने फेडेक्स केंद्र पर हुई सामूहिक गोलीबारी में मारे गए आठ लोगों के सम्मान में स्मृति सेवा का आयोजन किया। मृतकों में सिख समुदाय के चार सदस्य शामिल थे। इनमें से तीन महिलाएं थीं। इंडियानापोलिस फेडेक्स

केंद्र के एक पूर्व कर्मचारी 19 वर्षीय ब्रैंडन स्कॉट होल ने 15 अप्रैल को आठ लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी थी और बाद में खुद को भी गोली मार ली थी। शनिवार को आयोजित स्मृति कार्यक्रम की शुरुआत सिख प्रार्थना, अरदास के साथ की गई। यह कार्यक्रम शहर के एक स्टेडियम में हुआ जहां राज्य के, शहर के एवं संघीय प्रतिनिधि, इंडियानापोलिस इलाके के विभिन्न धर्मों के नेता और सिख समुदाय के सदस्य शामिल हुए इंडियाना के गवर्नर एरिक होलकोंब ने सिख समुदाय के साथ खड़े होने का आश्वासन दिया। शहर में करीब 8,000 से 10,000 के बीच सिख आबादी है।

दुनिया में बढ़ी महामारी, अमेरिका में एक दिन में 60 हजार नए केस, ब्राजील में 2,870 की मौत

वाशिंगटन। दुनिया में कोरोना महामारी का कहर थमने का नाम नहीं ले रहा है। कई देशों में महामारी दोबारा बढ़ने से नए मामलों और मरने वालों की संख्या में तेज बढ़ोतरी देखी जा रही है। विश्व में गत 24 घंटे के दौरान 14 हजार से अधिक मरीजों की मौत हो गई। जबकि इस दौरान दुनियाभर में आठ लाख 70 हजार से ज्यादा नए संक्रमित बढ़ गए।

जॉन्स हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी के डाटा के अनुसार, शनिवार सुबह कोरोना मरीजों का वैश्विक आंकड़ा 15 करोड़ नौ लाख 72 हजार 476 हो गया। एक दिन पहले यह आंकड़ा 15 करोड़ एक लाख दो हजार 206 था। जबकि बीते 24 घंटे में 14 हजार 417 पीडितों के दम तोड़ने से मरने वालों की कुल संख्या बढ़कर 31 लाख 76 हजार 54 हो गई। शुक्रवार तक यह संख्या 31 लाख 61 हजार 637 थी।

दुनिया में कोरोना महामारी से सबसे ज्यादा जूझने वाले अमेरिका में पिछले 24 घंटे में करीब 60 हजार नए पॉजिटिव पाए गए। इससे यहां पीडिघ्तों का कुल आंकड़ा तीन करोड़ 31 लाख से अधिक हो गया है। अब तक पांच लाख 90 हजार से ज्यादा पीडिघ्तों की मौत हुई है। अमेरिका के बाद भारत और ब्राजील सबसे प्रभावित देश हैं।

ब्राजील में शुक्रवार को 73 हजार से अधिक नए मामलों की पुष्टि की गई। इससे संक्रमित लोगों की कुल संख्या एक करोड़ 46 लाख से अधिक हो गई है। इस अवधि में 2,870 मरीजों के दम तोड़ने से मरने वालों का आंकड़ा चार लाख चार हजार से ज्यादा हो गया है।

ईरान– देशभर में एक दिन में 19 हजार 272 नए केस पाए जाने से संक्रमितों की कुल संख्या करीब 25 लाख हो गई है। यहां कुल 71 हजार 758 मौत हुई है।

तुर्की– कोरोना महामारी की तीसरी लहर की चपेट में आए इस देश में शुक्रवार को 31 हजार 891 नए केस पाए गए। पीडिघ्तों का आंकड़ा 48 लाख के पार हो गया है।

रूस– देशभर में 24 घंटे में नौ हजार 270 नए मरीज मिलने से कुल केस 48 लाख 14 हजार हो गए। कुल एक लाख दस हजार से ज्यादा मरीजों की मौत हुई है।

पाकिस्तान में कोरोना महामारी से निपटने के लिए गठित केंद्र ने अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में 20 फीसद कटौती करने का निर्णय लिया है। देश में बढ़ती महामारी रोकने के प्रयास में लिया गया यह फैसला बुधवार से 20 मई तक प्रभावी रहेगा। पाकिस्तान में बीते 24 घंटे में 4,696 नए संक्रमित पाए गए और 146 पीडिघ्तों की मौत हो गई।

अमेरिका को ''बहुत गंभीर स्थिति'' का सामना करना पड़ेगा– उत्तर कोरिया

सोल। उत्तर कोरिया ने रविवार को कहा कि अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने अपने हालिया भाषण में उत्तर कोरिया को सुरक्षा के लिए खतरा बताकर और उसके प्रति शत्रुतापूर्ण नीति अपनाए रखने का इरादा जाहिर कर ''एक बड़ी भूल'' की है, इसलिए उसे ''बहुत गंभीर स्थिति'' का सामना करना होगा। बाइडन ने पिछले सप्ताह संसद में अपने पहले संबोधन में उत्तर कोरिया और ईरान के परमाणु कार्यक्रमों को ''अमेरिकी और विश्व की सुरक्षा के लिए एक गंभीर खतरा'' बताया था और कहा था कि अमेरिका कूटनीति एवं कड़े कदमों के जरिए अपने सहयोगियों के साथ मिलकर इन समस्याओं से निपटेगा।

उत्तर कोरिया के विदेश मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी क्वोन जोंग गुन ने एक बयान में कहा, ''उनका (बाइडन का) यह बयान स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि वह उत्तर कोरिया को लेकर शत्रुतापूर्ण नीति कायम रखना चाहते हैं, जैसा कि आधी सदी से अधिक समय से अमेरिका करता आया है।'' क्वोन ने कहा, ''यह तय है कि अमेरिकी मुख्य कार्यकारी ने मौजूदा परिदृश्य में भूल की है।''

उन्होंने कहा, ''अमेरिका की उत्तर कोरिया के प्रति नीति अब स्पष्ट हो गई है, तो हम भी उसी के अनुरूप कार्रवाई करेंगे ।

मॉडर्ना की वैक्सीन को डब्ल्यूएचओ ने दी इमरजेंसी इस्तेमाल की मंजूरी, चीन की सिनोफार्मा और सिनोवाक को मिलेगी जल्द अनुमति

जेनेवा। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने कोरोना के खिलाफ मॉडर्ना की वैक्सीन के इमरजेंसी इस्तेमाल की मंजूरी दे दी है। इस अमेरिकी टीका निर्माता कंपनी के अलावा अब तक एस्ट्राजेनेका, फाइजर–बायोएनटेक और जॉनसन एंड जॉनसन के टीकों को डब्ल्यूएचओ से इमरजेंसी इस्तेमाल की मंजूरी मिली चुकी है। डब्ल्यूएचओ ने कहा है कि आने वाले दिनों में चीन के सिनोफार्मा और सिनोवाक टीकों को अनुमति दी जा सकती है। मॉडर्ना की ओर से डाटा देने में देरी के कारण डब्ल्यूएचओ से इसे मंजूरी मिलने में बहुत लंबा समय लग गया। कई छोटे देश अपने यहां टीके के इस्तेमाल के लिए डब्ल्यूएचओ की मंजूरी पर निर्भर रहते हैं। हालांकि इस मंजूरी से फिलहाल गरीब देशों में मॉडर्ना के टीके की आपूर्ति की बहुत उम्मीद नहीं है, क्योंकि कंपनी ने पहले ही बहुत से अमीर देशों से करोड़ों डोज की आपूर्ति के लिए करार किया हुआ है। रूस निर्मित वैक्सीन स्पुतनिक वी की 1,50,000 डोज शनिवार को भारत पहुंच गई।

मतगणना कराने जाओगे तो पूरे परिवार को काट कर फेंक दूंगा प्रधान पद प्रत्याशी के पति ने लगाया संगीन आरोप

अमिट रेखा अमरजीत शर्मा

प्रतापगढ़। थाना मांधाता के गांव सराय राजा के प्रधान पद प्रत्याशी के पति ने पुलिस को तहरीर देकर आरोपित किया है गांव के ही एक पूर्व घ्रधानघ ने मतगणना कराने जाने पर जान से मारने की धमकी दी है पुलिस मामले की जांच में जुटी।थाना मांध ाता क्षेत्र के गांव घ्सराय राजा निवासी सतीराम मुसहर थानाध्यक्ष को प्रार्थना पत्र देकर आरोपित किया है कि गांव के पूर्व प्रधान ने धमकी दी है कि मतगणना कराने जाओगे तो पूरे परिवार को मार दूंगा गोली पीड़ित ने पुलिस से लगाई गुहार कहा कि वोट की गिनती के दिन मतगणना स्थल पर ना जाने की धमकी दे रहे हैं पुलिस मामले की जांच में जुटी।

जिलाधिकारी डॉ नितिन बंसल एवं पुलिस अधीक्षक आकाश तोमर द्वारा मतगणना स्थलों का निरंतर भ्रमण कर लिया जा रहा है जायजा

अमिट रेखा अमरजीत शर्मा

प्रतापगढ़। शिवगढ़ मांधाता एवं गौरा विकासखंड के विद्यालयों में चल रही मतगणना मतगणना स्थलों का किया जा रहा

निरीक्षण निर्वाचन कनटरोल प्रभारीको निरंतर सभी मतगणना स्थल की अधतन सूचना प्राप्त कर अवगत कराने का निर्देश दिया माननीय उच्चतम न्यायालय के निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाए।कोविड–19 प्रोटोकॉल का शत–प्रतिशत अनुपालन हो कोई भी प्रत्याशी विजय जुलूस या भीड़भाड़ कदापि इकट्ठी नहीं करेगा अन्यथा विधिक कार्यवाही की जाएगी।मतगणना कार्य निष्पक्ष एवं पारदर्शी ढंग से किया जाय।

जिलाधिकारी एवं एसपी ने मतगणना स्थल का निरीक्षण किया

अमिट रेखा सुनील पांडेय

ब्यूरो महाराजगंज। जिलाधिकारी डॉ उज्जवल कुमार व पुलिस अधीक्षक प्रदीप गुप्ता द्वारा आज दिनांक 02.05.2021 को

जनपद में हो रहे त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के मतगणना के दृष्टिगत शांति व कानून व्यवस्था बनाए रखने हेतु मतगणना स्थलों का निरंतर भ्रमणशील रहकर निरीक्षण किया जा रहा है, साथ ही मतगणना मे लगे हुए समस्त अधिकारी/कर्मचारीगण को कोविड–19 गाइडलाइन्स का अनुपालन करने व करवाने के लिए निर्देशित किया जा रहा है।

पंचायत चुनाव मे गणना करते कर्मी , पुलिस अधीक्षक एवं डी एम आशुतोष निरंजन द्वारा किया गया निरीक्षण

अमिट रेखा –विनय कुमार मिश्र

ब्लॉक प्रभारी भटनी देवरिया। प्रदेश मे आज दिनाँक 02 मई को पंचायत चुनाव की गणना सुबह 8 बजे प्रातः से ही शुरू हो

गई । भटनी ब्लॉक मे भी सुभाष इंटर कॉलेज पर भारी भरकम भीड़ के बीच आज गणना का कार्यक्रम दोपहर खबर लिखे जाने तक सकुशल रूप से चलती रही । इसी बीच निरीक्षण करने देवरिया जनपद के डी एम आशुतोष निरंजन, पुलिस अधीक्षक श्रीपती मिश्र एवं आब्जरबर.श्री राजन शुक्ला भी पहुचे । मतगणना केंद्र पर पहुच कर इन सभी के द्वारा कोरोना संबंधित गाइड लाइन का पालन करते हुए हर एक बिन्दु का गहन निरीक्षण की गया एवं सभी प्रकार की हिदायत दी गई। बिना पास और मास्क के किसी को प्रवेश की अनुमति नहीं थी । इसी भीड़ मे कई लोग बिना मास्क के भी नजर आए । प्रशासन भी पूरी मुस्तैदी से अपनी ड्यूटी करती नजर आयी । भटनी थानाध्यक्ष श्याम सुंदर तिवारी भी अपनी पूरी टीम के साथ तत्परता पूर्वक अपनी सभी जिम्मेदारियों को पूरा करते नजर आए ।

प्रत्याशियों में नही दिखा कोरोना का डर

भीड़ के आगे शासन प्रशासन नतमस्तक

अमिट रेखा दिनेश गुप्ता
तहसील प्रभारी

देवरिया त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के तीसरे चरण के

मतगणना में विकास खंड भटनी में कही पर भी मतगणना स्थल पर न ही सोशल डिस्टेंसिंग का पालन किया गया और न ही किसी को सेनिटाइज किया गया। भारी संख्या में प्रत्याशियों और एजेंटों का भीड़ देखने को मिला। किसी को भी बस अपना चुनाव जीतने की होड़ लगी है, बिना अपने जान की परवाह किये सभी लोग कोरोना गाईड लाइन की ध ाज्जियां उड़ाते हुवे दिखे।मत गणना के दौरान एक दूसरे के ऊपर चढ़ कर धक्का मुक्की करते हुवे एजेंट और प्रत्याशी अपने अपने काउन्टर पर दिखे।हैरत की बात ये है कि भारी पुलिशबल तैनाती के बावजूद भी लोगो के अन्दर प्रशाशन का कोई भी हनक देखने को नही मिला।बावजूद इसके भटनी थाना प्रभारी काफी मुस्तैदी से अपने पुलिसकर्मियों के साथ लोगों को भीड़ न लगाने की हिदायत भी देते दिखे।और बीच बीच मे सख्ती के साथ लोगों को सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करने के लिए निर्देशित भी करते रहे।लेकिन प्रत्याशियों के ऊपर इसका कोई असर नही दिखा।प्रथम चरण के मतगणना के दौरान भटनी खास से प्रधान पद की प्रत्याशी सरोज देवी 322 मत प्राप्त कर विजयी घोषित हुइ।मठ दनौर से प्रधान पद के प्रत्याशी अखिलेश गुप्ता 295 मत पा कर विजयी घोषित हुवे। दुल्लहपुर छापर से प्रधान पद के प्रत्याशी जागिया देवी विजयी घोषित हुइ। कुरमौटा ठाकुर से प्रधान पद की उम्मीदवार कौशल्या देवी विजयी घोषित हुइ। महराव से प्रधान पद के प्रत्याशी प्रभुनाथ यादव विजयी घोषित हुवे। वीरसिंह पुर से प्रधान पद के प्रत्याशी धर्मेन्द्र कुशवाहा 137 मतों से विजयी घोषित हुवे। बरडीहा से प्रधान पद के प्रत्याशी रामायण यादव विजयी घोषित हुवे। जिरासो से प्रधान पद के प्रत्याशी सुरेंद्र शर्मा विजयी घोषित हुवे। चकौर फकीर से प्रधान पद के प्रत्याशी काशी यादव विजयी घोषित हुवे। चुहिया से रामानन्द 7 वोट से विजयी घोषित हुवे। देवघाट से प्रध ाान पद की प्रत्याशी बिन्दु देवी 263 मत पाकर विजयी घोषित हुई।अलावलपुर से प्रधान पद के प्रत्याशी संजय वर्मा विजयी घोषित हुवे।डुमरी ग्राम सभा से जय किशुन साहनी 5 वोट से विजयी घोषित हुवे। धर्म खोर बाबू से प्रधान पद के प्रत्याशी आशुतोष यादव विजयी घोषित हुवे।खबर लिखे जाने तक शाम 5 बजे तक का प्रथम चरण का चुनाव परिणाम जीते हुवे प्रध ाान प्रत्याशियों में खुशी की लहर देखने को मिली।देर शाम को दूसरे चरण की मत गणना अभी शुरू नही हुई है।प्रत्याशियों के बीच काफी उत्साह देखने को मिल रहा है।

सिर कटा मिला युवक का शव इलाके में फैली सनसनी

अमिट रेखा – अमरजीत शर्मा

प्रतापगढ़। आसपुर देवसरा थाना क्षेत्र के सैफाबाद चौकी के अंतर्गत भौसरणपुर कोदइला नाथ धाम में रविवार को पीछे

स्थित तालाब में सुबह गांव के ग्रामीण शौच करने गए थे तालाब के पानी में एक युवक का शव तैरता दिखा धीरे–धीरे बात गांव आज की तरह फैल गई और वहां ग्रामीणों की बड़ी संख्या में भीड़ इकट्ठा हो गई ग्रामीणों द्वारा शव मिलने की सूचना आसपुर देवसरा पुलिस को दी गई मौके पर इलाकाई पुलिस दलबल के साथ पहुंची शव को पानी से बाहर निकाल कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

आसपुर देवसरा थाना अंतर्गत ग्राम भौसरनपुर कोदइलानाथ धामघ के पिछे स्थित घ्तालाबघ में शव पड़ा हुआ है सुबह जब ग्रामीण शौच को गए थे यह दृश्य देखा और धीरे–धीरे यह खबर जंगल की आग की तरह पूरे गांव में फैल गई मौके पर भीड़ जमा हो गई इसकी सूचना पुलिस को दी गई पुलिस मौके पर पहुंची शव को बाहर निकाला तो देखा गया तो युवक का सिर कटाघ हुआ था युवक टीशर्ट और ब्लैक रंग की लोअर पहना हुआ था शव को देखकर अंदाजा लगाया जा सकता है कि शव दो या तीन दिन पुराना है हत्यारों ने युवक की पहचान छिपाने के लिए सर को काटकर गायब कर दिया गया और धड़ को पानी में फेंककर हत्यारे फरार हो गए मौके पर पुलिस खोजबीन कर युवक के शव से गायब सिरको काफी खोजबीन के बाद भी कहीं पता नहीं चला आसपुर देवसरा पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया खबर लिखे जाने तक शव की शिनाख्त नहीं हो पाई थी।

यूपी में पंचायत चुनाव के लिए प्रदेश के सभी जिलों में मतगणना जारी है। देर शाम से नतीजे भी घोषित होना प्रारंभ हो जाएंगे। हालांकि, मतगणना को लेकर सुप्रीम कोर्ट के कोरोना प्रोटोकॉल को पालन कराने के निर्देश हवाहवाई साबित हो रहे हैं।

नीरज बोरा ने सैनिटाइजर मशीन एवं कोरोना संक्रमित मरीजों के लिए दवा की किट वितरित की

लखनऊ, (यूएनएस)। उत्तर प्रदेश में कोरोना वायरस संक्रमण की दूसरी लहर अपने चरम पर है। कोरोना से संक्रमित लोगों की संख्या दिन–प्रतिदिन बढ़ रही है। हॉस्पिटल में मरीज बेड, इंजेक्शन, ऑक्सीजन और दवा की कमी से जूझ रहे हैं। सैकड़ों की संख्या में लोगों की जान जा रही है। ऐसे में कोरोना संक्रमण को फैलने से रोकने एवं बचाव हेतु विधायक डा0 नीरज बोरा ने रविवार को लखनऊ उत्तर विधानसभा भाजपा के प्रमुख पदाधिकारियों को बोरा पॉलीक्लीनिक द्वारा प्रदान की गयी बैटरी चालित सैनिटाइजर मशीन एवं कोरोना संक्रमित मरीजों के लिए दवा की किट वितरित की। डा0 बोरा ने क्षेत्र में संक्रमित लोगों को घर पर ही दवा उपलब्ध कराये जाने हेतु भाजपा पदाधिकारियों से अपील की। पेशे से डाक्टर भाजपा विधायक डा0 नीरज बोरा ने उपस्थित भाजपा पदाधिकारियों को सम्बोधित करते हुये कहा कि कोरोना एक प्राकृतिक आपदा है। इस आपदा के दौरान प्रत्येक व्यक्ति को धैर्य के साथ कार्य करने की आवश्यकता है। डा0 बोरा ने बताया कि कोरोना की दूसरी लहर बहुत ही खतरनाक है। कोरोना के लक्षण एवं बुखार आने पर तुरन्त ही जांच करायें। कोरोना संक्रमित व्यक्ति को यदि समय पर इलाज नहीं मिला, तब उसे बचा पाना बहुत ही मुश्किल है। विधायक डा0 बोरा एवं मौजूद भाजपा पदाधिकारियों ने बढ़ रहे कोरोना संक्रमण को फैलने से रोकने एवं लोगों की जान बचाये जाने हेतु विचार–विमर्श किया। जिसमें तय किया गया कि सभी पदाधिकारी अपने–अपने क्षेत्रों में कोरोना संक्रमित मरीजों को चिन्हित कर उनका पूरा घर सैनिटाइज कराएं। इसके साथ ही कोरोना संक्रमित मरीजों को जरुरी दवाएं उनके आवास पर ही उपलब्ध कराएं। इस पुनीत कार्य हेतु विधायक डा0 नीरज बोरा ने लखनऊ उत्तर विधानसभा के भाजपा पदाधिकारियों को सैनिटाइजर मशीन के साथ ही कोरोना संक्रमित मरीजों को बोरा पॉलीक्लीनिक द्वारा प्रदान की गयी दवा की किट भी उपलब्ध करायीं। इस दौरान भाजपा नगर उपाध्यक्ष डा0 विवेक सिंह तोमर, नगर महामंत्री राम औतार कनौजिया, मण्डल अध्यक्ष राम शरण सिंह, मण्ड अध्यक्ष राकेश पाण्डेय, पार्षद राघव राम तिवारी, पार्षद पृथ्वी गुप्ता, अनुराग पाण्डेय, प्रदीप गुप्ता, आलोक बाजपेयी, शैलेन्द्र मौर्या सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे। ट्रैक्टर टैंकर से होगा छिड़कावः भाजपा विधायक डा0 नीरज बोरा ने विकराल रुप ले चुकी महामारी से निपटने व मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मुहैया कराने के लिए सराहनीय पहल करते हुए अभी कुछ समय पहले ही अपनी विधायक निधि से 1 करोड़ रुपए की धनराशि दी थी, जिसमें 25 लाख रुपए की धनराशि नगर निगम को 4 ट्रैक्टर ट्राली सैनिटाइजिंग किट के लिए उपलब्ध करायी थी। पूर्व में वर्ष 2020 में भी डा0 बोरा द्वारा यूपी कोविड फंड में 1 करोड़ रुपए की धनराशि दी गयी थी। जिसमें नगर निगम द्वारा सैनिटाइजिंग हेतु 5 ट्रैक्टर ट्राली लिये गये थे।

कड़ी सुरक्षा के बीच जनपद में शुरू हुई मतगणना

अमिट रेखा दिनेश गुप्ता
तहसील प्रभारी

देवरिया। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के तहत आज कड़ी सुरक्षा के बीच शुरू हुयी मतगणना कार्य का जनपद के नामित प्रेक्षक राजन शुक्ला जिलाधिकारी आशुतोष निरंजन एवं पुलिस अधीक्षक डॉक्टर श्रीपति मिश्र द्वारा विभिन्न निर्धारित मतगणना केंद्रों का निरीक्षण किया गया । इस दौरान सुरक्षा एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं का भी जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिया गया।प्रेक्षक श्री शुक्ला भलुअनी एवं भटनी विकासखंड के मतगणना केंद्र पहुंचकर मतगणना कार्य सहित व्यवस्था आदि का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा दिए गए निर्देशों का पूरी तरह से पालन किए जाने के साथ ही सकुशल शांति पूर्ण मतगणना कार्य को संपन्न कराया जाना आवश्यक है, इसके लिए सभी जुड़े अधिकारी व कर्मी टीम भाव से कार्य करते हुए निष्पक्ष व पारदर्शी मतगणना कार्य को संपन्न कराएं।जिलाधिकारी श्री निरंजन सभी निर्वाचन अधिकारी, सहायक निर्वाचन अधिकारियों एवं मतगणना कार्मिकों को अपने दायित्वों को पूरी तत्परता निष्ठा से किए जाने के निर्देश देते रहे । उन्होंने कहा कि किसी भी स्तर पर कहीं कोई पारदर्शिता प्रभावित न हो इसके लिए सभी कार्य करेंगे।

जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक द्वारा संयुक्त रूप में विकासखंड बैतालपुर , गौरी बाजार ,रुद्रपुर, बरहज, भागलपुर, सलेमपुर,भटनी, आदि मतगणना केंद्रों में पहुंचकर कार्य का जायजा लिया गया।पुलिस अधीक्षक डॉ0 श्रीपति मिश्र ने तैनात पुलिस अधिकारियों पुलिसकर्मियों को हिदायत देते हुए निर्देश दिया कि किसी भी स्तर पर सुरक्षा व्यवस्था में कोई चूक न हो इसके लिए पूरी तरह से तत्परता पूर्वक कार्य करेंगे । विजय जुलूस आदि प्रतिबंधित है इसका भी पालन कराया जाना अनिवार्य होगा ।

त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में दोपहर बाद परिणाम आना शुरू हो गया जीते हुए प्रत्याशियों के चेहरा खिले

अमिट रेखा – अमरजीत शर्मा

प्रतापगढ़। जनपद के विभिन्न विकास खंड के मतगणना रुझान दोपहर बाद आना शुरू हो गया जिससे जीते हुए प्रत्याशियों के चेहरे खिले हुए नजर आए और अभी मतगणना देर रात तक चलती रहेगी प्रशासन के चुस्त–दुरुस्त व्यवस्था से शांतिपूर्ण ढंग से मतगणना जारी।

जनपद के पट्टी विकासखंड के दशरथपुर ग्राम सभा प्रधान पद उम्मीदवार मुर्तजा अहमद व पट्टी ग्रामीण प्रधान पद उम्मीदवार सुरेश शुक्ला व बेलसंडी प्रधान पद उम्मीदवार सुजीत यादव व इसी गांव के बीडीसी प्रत्याशी सुरेंद्र यादव व असुढी गांव सभा के प्रधान पद उम्मीदवार जगन्नाथ यादव व चरैया गांव के प्रधान पद उम्मीदवार राम मुसाफिर व कुकुवार प्रधान पद उम्मीदवार रामजीत वर्मा विजई घोषित हुए इसी क्रम में आसपुर देवसरा विकासखंड के गांव सभा कादीपुर से संतोष सिंह प्रधान पद प्रत्याशी विजय घोषित हुए

इसी क्रम में मंगरौरा विकासखंड के बाहूपुर गांव सभा से प्रशांत सिंह व भदौना ग्राम सभा के प्रधान पद उम्मीदवार फौजदार सिंह और सांडवा चंद्रिका का विकासखंड के जोगीपुर गांव सभा के बलवंत सिंह व बाबा बेलखरनाथ धाम गांव सभा रामकोला से फतेह बहादुर सिंह प्रधान पद उम्मीदवार विजई घोषित हुए वह बाबागंज के जगा पुर प्रधान पद उम्मीदवार सुरेश शुक्ला विजय घोषित हुए वह विकासखंड बिहार के बीरभानपुर से प्रधान पद उम्मीदवार राकेश पांडे विजय घोषित हुए व मांध ाता विकासखंड के मिश्रपुर गांव के जय प्रकाश विश्वकर्मा विजई घोषित हुए वह रामपुर संग्रामगढ़ विकासखंड के ग्राम सभा लतीफपुर प्रधान पद उम्मीदवार संतोष कुमार विजई घोषित हुए वह काला काकर विकासखंड के शेखपुर धनापुर से सुनील कुमार मौर्यश्रविजई घोषित हुए वह बाबागंज के विकासखंड अंतर्गत ग्राम जगतपुर प्रधान पद सुरेश शुक्ला विजय घोषित हुए मतगणना का कार्य सुचारू रूप से जारी है देर रात तक मतगणना चलने की संभावना है हालांकि प्रशासन के चित्र वजह से इस बार विजय जुलूस नहीं निकल रहा है।

भारी सुरक्षा के बीच मतगणना हुआ शुरु

अमिट रेखा सुनील पांडेय

ब्यूरो महाराजगंज। महराजगंज जनपद में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव का मतगणना आज सुबह 8 बजे से भारी सुरक्षा के बीच शुरू हो गया। मतगणना के दौरान कोविड गाइडलाइन का कड़ाई से

पालन कराया जा रहा है। जनपद के 12 ब्लॉकों में जिला पंचायत सदस्य बीडीसी ग्राम प्रधान एवं ग्राम पंचायत सदस्य 27524 प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला होगा। जिले में दूसरे चरण में 19 अप्रैल को 3028 बूथों पर मतदान संपन्न हुए थे। मतगणना के लिए जनपद के 12 ब्लॉकों में 4048 कर्मियों को तैनात किया गया है। वही शांतिपूर्ण मतगणना संपन्न कराने के लिए सभी मतगणना केंद्रों के अंदर व बाहर भारी संख्या में पुलिस की तैनाती की गई है। कोरोना महामारी के बीच संपन्न हो रहे मतगणना कार्यक्रम को देखते हुए कोविड गाइड लाइन का भी कड़ाई से पालन कराया जा रहा है। प्रत्याशियों एवं एजेंटों को कोरोना जांच के बाद ही प्रवेश दिया जा रहा है। अधिकारियों का कहना है कि शांतिपूर्ण मतगणना संपन्न कराने के लिए कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के साथ कोविड गाइडलाइन भी पालन कराया जा रहा है। इसके साथ ही पूरे क्षेत्र में जीतने वाले प्रत्याशियों के जुलूस निकालने पर पूरी तरह पाबंदी लगा दी गई है। जो लोग भी इसका उल्लंघन करते दिखाई देंगे उनके खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

स्वत्वाधिकारी प्रकाशक मुद्रक तथा सम्पादक अमरनाथ पाण्डेय द्वारा अमिट प्रिन्टर्स कालेज रोड फाजिलनगर से मुद्रित ग्राम बरदहा पाण्डेय फाजिलनगर कुशीनगर से प्रकाशित।
सम्पादक
अमरनाथ पाण्डेय
मो. - 9532989009
उप सम्पादक - के.के. राय
सह. सम्पादक- चन्द्रशेखर यादव
प्रदेश प्रभारी- राजू प्रसाद श्रीवास्तव
मो०- 9792617070
विज्ञापन व्यवस्थापक- नसरूल्लाह अंसारी
प्रबंधक- निखिल कुशवाहा
ईमेल : amitrekhaksn@gmail.com